website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 120 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

न ईएमआई बढ़ेगी न ही महंगे होंगे लोन

● आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया कोई बदलाव ● ब्याज दर 5.25 फीसदी पर बरकरार रखी, दी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए वित्त वर्ष की पहली मीटिंग में रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया है। इसे 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा है। इससे लोन महंगे नहीं होंगे और ईएमआई नहीं बढ़ेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 8 अप्रैल को मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी के फैसलों की जानकारी दी। इससे पहले फरवरी में भी रेपो रेट में बदलाव नहीं हुआ था। आरबीआई ने आखिरी बार दिसंबर 2025 में ब्याज दर 0.25 घटाकर 5.25 फीसदी की थी। आरबीआई जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है, उसे रेपो रेट कहते हैं। जब आरबीआई रेपो रेट घटाता है तो बैंक इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। आरबीआई गवर्नर

के मुताबिक, महंगाई में उछाल का खतरा अभी टला नहीं है। खराब मौसम और बेमौसम बारिश से फल, सब्जियों और अनाज की कीमतें बढ़ने की आशंका है। ईरान-इजरायल जंग से सप्लाई चैन पर असर पड़ रहा है। आरबीआई अभी रुको और देखो की नीति अपना रहा है। ग्लोबल मार्केट में मची उथल-पुथल को देखते हुए आरबीआई जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहता। बैंक अभी दुनिया भर के आर्थिक हालातों पर नजर रखना चाहता है। इसी वजह से ब्याज दर में बदलाव नहीं किया गया। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 आरबीआई के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। आरबीआई की मीटिंग हर दो महीने में होती है।

मणिपुर में हिंसा की ताजा घटना के बाद शांति

● अधिकारियों ने कहा-तनाव है लेकिन माहौल ठीक रहा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हुई हिंसा की ताजा घटना पर अधिकारियों ने बुधवार को ताजा अपडेट दिए। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार बिष्णुपुर में हुए बम हमले में दो बच्चों की मौत के बाद मणिपुर के पांच घाटी जिलों में बुधवार को स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि इलाके में कर्फ्यू, इंटरनेट सेवाओं पर रोक और भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि कानून-व्यवस्था बनाए रखी जा सके। बता दें कि राज्य के बिष्णुपुर में एक दिन पहले हुए बम हमले के बाद हिंसा भड़क गई थी। इस संबंध में अधिकारी ने बताया कि

हिंसा के बाद से ही इंफाल ईस्ट और वेस्ट, बिष्णुपुर, थौबल और काकचिंग जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया, इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई और भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई जो अब तक जारी है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को तड़के मोइरांग ट्रोंग्लाओबी में संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा फेंका गया बम एक घर पर गिरा, जिससे घर में सो रहे पांच वर्षीय लड़के और छह महीने की बच्ची की मौत हो गई तथा उनकी मां घायल हो गई। अधिकारी ने कहा, रात भर की झड़पों के बाद स्थिति नियंत्रण में है। आज सुबह किसी भी प्रकार की हिंसा की सूचना नहीं मिली है। कुल मिलाकर स्थिति शांत है। उन्होंने बताया कि मंगलवार देर रात इंफाल ईस्ट और वेस्ट जिलों के कुछ स्थानों पर सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुई जिसके बाद पुलिस कर्मियों को प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। प्रदर्शनकारियों ने इंफाल पूर्वी जिले के खुरई लामलॉन्ग और वांगखेई में टायर जलाए और कार्रवाई की मांग की।

कोर्ट धार्मिक परंपरा को अंधविश्वास नहीं कह सकता

● सरकार बोली-आप एक्सपर्ट नहीं, यह फैसला विधायिका करेगी ● कोर्ट बोला- हमें रिव्यू का पूरा अधिकार, भेदभाव का है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ भेदभाव मामले में सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को दूसरे दिन की सुनवाई जारी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- कोई सेक्युलर अदालत किसी धार्मिक प्रथा को सिर्फ अंधविश्वास नहीं कह सकती, क्योंकि उसके पास ऐसा तय करने की विशेषज्ञता नहीं होती। उन्होंने कहा कि जो चीज नगालैंड के किसी समुदाय के लिए धार्मिक हो सकती है, वही मेरे लिए अंधविश्वास लग सकती है। हमारा समाज बहुत विविधतापूर्ण है, यहां अलग-अलग लोग, धर्म और मान्यताएं हैं। ऐसे में अदालत के लिए ऐसा फैसला देना खतरनाक हो सकता है। इस पर जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा मिस्टर मेहता, आपने बात को बहुत आसान बना दिया है। अदालत के पास न्यायिक समीक्षा का अधिकार है कि वह यह तय कर सके कि अंधविश्वास क्या है।

उसके बाद उस पर कानून बनाना या कार्रवाई करना विधानमंडल (संसद-विधानसभा) का काम हो सकता है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि अंतिम फैसला सिर्फ विधानमंडल ही करेगा। धर्म के मामलों में तर्क उसी तरह लागू नहीं किया जा सकता। - संबंधित खबर पेज 9 पर

सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशन

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव का मामला बीते 26 सालों से देश की अदालतों में है। 2018 में, 5 जजों की बेंच ने 4-1 के बहुमत से मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक हटा दी थी। इसके बाद कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गईं।
सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की संविधान बेंच 7 अप्रैल से 22 अप्रैल तक 50 से ज्यादा याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। कोर्ट में रिव्यू पिटीशनरों और उन्हें सपोर्ट करने वाले 7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक, जबकि विरोध करने वाले 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक दलीलें दे सकेंगे। सीजेआई- भले ही आप सांस्कृतिक या सामाजिक मानदंडों को नजरअंदाज कर दें, लेकिन इस प्रावधान की जांच करते समय इन सिद्धांतों को आधार न बनाएं। ऐसा कैसे हो सकता है कि कोई बात महिलाओं के लिए अपराध हो और पुरुषों के लिए अपराध न हो। मेहता- मुझे इस फैसले से तीन आपत्तियां हैं।

थम गया महायुद्ध

'सीजफायर' का ऐलान

● न ट्रंप जीते न ईरान हारा फिर भी बन गई दोनों देशों के बीच बात ● अमेरिका और ईरान में 2 हफ्ते का सीजफायर, 40वें दिन रुकी जंग ● ट्रम्प बोले-पाक पीएम और आर्मी चीफ की अपील के बाद फैसला

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच 40 दिन से जारी जंग के बाद आखिरकार 2 हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ की अपील के बाद लिया गया। सीजफायर से पहले ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी थी कि अगर होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों को सुरक्षित रास्ता नहीं मिला तो वह उसकी पूरी सभ्यता खत्म कर देंगे। उन्होंने अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले की भी धमकी दी थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह डील पाकिस्तान की मध्यस्थता और आखिरी समय में चीन के दखल के बाद संभव हो पाई। पाकिस्तान ने 2 हफ्ते के सीजफायर का प्रस्ताव रखा था, जिसे ईरान ने स्वीकार कर लिया। समझौते के तहत अमेरिका और इजराइल अपने हमले रोकेंगे। ईरान भी हमले बंद करेगा। इस दौरान होर्मुज स्ट्रेट से तेल, गैस और अन्य जहाजों की सुरक्षित आवाजाही ईरानी सेना की मदद से सुनिश्चित की जाएगी। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच 10 अप्रैल को औपचारिक बातचीत पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुरू होगी।

ईरान की दो शर्तों से मिडिल ईस्ट में अमेरिका की मौजूदगी पर संकट- ईरान ने अमेरिका के साथ हुए युद्धविराम के बाद दो ऐसी मांगें रखी हैं, जिनसे मिडिल ईस्ट में अमेरिकी नौसेना की मौजूदगी पर सवाल खड़े हो गए हैं। पहली मांग यह है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से टोल (शुल्क) लिया जाए। दूसरी अमरीकी सेना हटे।

- संबंधित खबर पेज 12 पर

ईरान ने अमेरिका को 10 पॉइंट का प्लान भेजा

ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिका को 10 पॉइंट का प्लान भेजा है। उन्होंने कहा कि इस पर आगे बातचीत की जा सकती है। वहीं ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने दावा किया है कि अमेरिका ने उसका 10 पॉइंट प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। काउंसिल के मुताबिक यह समझौता ईरान की शर्तों पर हुआ है और इसे देश की जीत बताया है। दुनिया की बड़ी शिपिंग कंपनी ने कहा हम सतर्क हैं।

भारत ने अमरीका और ईरान सीजफायर का स्वागत किया

भारत सरकार ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए सीजफायर का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने 8 अप्रैल को जारी बयान में कहा कि यह कदम पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की दिशा में अहम साबित हो सकता है। बयान में कहा गया कि भारत पहले भी लगातार यह जोर देता रहा है कि तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति के जरिए ही इस संघर्ष को खत्म किया जा सकता है। सरकार ने कहा कि इस जंग से लोगों को भारी पीड़ा झेलनी पड़ी है।

युद्धविराम कर चलते बने ट्रंप, अब इजरायल चुकाएगा कीमत

● अमेरिका के फैसले से सदमे में नेतन्याहू! घर में घिरे, उठ रहे सवाल

तेल अवीव (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ युद्धविराम कर जंग से बाहर निकल आए हैं जबकि सहयोगी इजरायल युद्ध के मैदान से उन्हें हैरान परेशान देख रहा है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जीत का ढिंढोरा पीट दिया है जबकि हकीकत ये है कि ईरान ने अमेरिका की एक भी शर्त नहीं मानी। उल्टा होर्मुज स्ट्रेट पर अब तेहरान का कंट्रोल भी हो चुका है। इजरायल में सदमा है। विपक्षी नेता ने नेतन्याहू पर नाकामी के आरोप लगाए हैं। इजरायली अखबार देश की सरकार से कठिन सवाल पूछ रहे हैं। अखबारों में पूछा गया है कि क्या वाकई ईरान होर्मुज स्ट्रेट खोल रहा है क्योंकि ईरान ने तो आधिकारिक बयान में जहाजों के गुजरने के लिए शर्तें लगा दी हैं। बिना ईरान सेना की इजाजत के कोई भी जहाज होर्मुज से निकल नहीं सकते। - संबंधित खबर पेज 12 पर

पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का निधन

● राहुल गांधी-मल्लिकार्जुन खरगे ने जताया शोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मेरठ से तीन बार सांसद रहीं मोहसिना किदवई का बुधवार को निधन हो गया। 93 साल की उम्र में किदवई ने सुबह चार बजे अस्पताल में आखिरी सांस ली। नोएडा के सेक्टर 40 स्थित आवास से मोहसिना किदवई की अंतिम यात्रा दोपहर 3 बजे निकलेगी। मोहसिन किदवई के निधन पर कई राजनेताओं ने शोक व्यक्त किया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी शोक जताया है। राहुल गांधी ने सोशल साइट एक्स पर लिखा है,पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सांसद मोहसिना किदवई जी के निधन की खबर अत्यंत दुखद है। वे कांग्रेस पार्टी की एक वरिष्ठ और निष्ठावान नेता थीं, जिनका संपूर्ण जीवन जनसेवा का उदाहरण रहा है। अपनी सादगी, सौम्यता और गरिमामय राजनीतिक सफलता से उन्होंने देश की कई पीढ़ियों की महिलाओं को प्रेरित किया। दुख की इस घड़ी में, मैं उनके परिवार और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

टीएमसी का आरोप, चुनाव आयोग ने 5 मिनट में भगाया

● एसआईआर पर आपत्ति जताने गए थे, सीईसी ने कहा-यहां से हट जाओ

सीईसी ने कहा-इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव भय मुक्त होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और चुनाव आयोग आमने-सामने आ गए हैं। सांसद डेरेक ओ'ब्रायन के नेतृत्व में टीएमसी का प्रतिनिधि मंडल बुधवार सुबह दिल्ली में चुनाव आयोग से मिलने पहुंचा। डेरेक ने कहा कि हमने एसआईआर के मुद्दे पर समय मांगा था, लेकिन मीटिंग के दौरान हमारे साथ खराब व्यवहार किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ने हमें सिर्फ 5 मिनट में भगा दिया। डेरेक ओ'ब्रायन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बैठक सुबह 10.02 बजे शुरू हुई और 10.07 बजे खत्म हो गई। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, डेरेक ओ ब्रायन ने सीईसी को बोलने से रोका और धमकी दी। वह कोई बात सुन ही नहीं रहे थे। ईसी ने कहा-बंगाल में इस बार चुनाव भय रहित और हिंसा रहित होंगे।

चिल्लाने लगे डेरेक ब्रायन नाराज सीईसी ने भगाया

चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने डेरेक ओ 'ब्रायन से बैठक में शालीनता बनाए रखने को कहा था। लेकिन डेरेक आयोग के परिसर में चिल्लाने लगे और अनुचित व्यवहार करने लगे। प्रतिनिधिमंडल में डेरेक ओ ब्रायन के अलावा साकेत गोखले, मेनका गुरुस्वामी और सागरिका घोष शामिल थीं। बंगाल में 91 लाख वोटरों के नाम हटे :पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद करीब 91 लाख वोटरों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। अक्टूबर 2025 में कुल वोटर 7.66 करोड़ थे। इनमें से अब तक 90.83 लाख नाम हटाए गए। लगभग 11.85 फीसदी वोटर कम हो गए। यानी अब राज्य में 6.76 करोड़ वोटर हैं। चुनाव आयोग अब फाइनल आंकड़े जारी नहीं किए हैं। इसके अलावा 27.16 लाख के नाम हटाए गए।

दीवाली से पहले एमपी में यूसीसी लागू करने की तैयारी

● सीएम ने कैबिनेट बैठक में दिए संकेत

भोपाल (एजेंसी)। डॉ. मोहन यादव सरकार मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की तैयारी कर रही है। मंगलवार को कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रियों से कहा कि यूसीसी का अध्ययन करें, इसे राज्य में लागू करना है। इस संकेत के बाद गृह विभाग में प्रक्रिया तेज हो गई है, क्योंकि यूसीसी बिल तैयार करने की जिम्मेदारी इसी विभाग की है। सूत्रों के अनुसार, जल्द ही राज्य स्तर पर एक उच्चस्तरीय कमेटी बनाई जाएगी। इसी साल दीवाली से पहले प्रदेश में यूसीसी लागू किया जा सकता है। सूत्र बताते हैं कि समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट तैयार करने से पहले गोवा और उत्तराखंड में कुछ समय पहले लागू किए गए यूसीसी का अध्ययन किया जा रहा है। जिससे मध्य प्रदेश के लिए व्यावहारिक और संतुलित मॉडल तैयार किया जा सके।

होर्मुज में फंसे 16 जहाजों को लाने की तैयारी हो गई शुरू

सीजफायर के तुरंत बाद भारत ने ईरान से साध लिया संपर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिका के बीच घोषित सीजफायर की घोषणा के तुरंत बाद बुधवार को भारत ने ईरान से संपर्क साधा है ताकि होर्मुज के पश्चिम में उसके जो तेल व गैस के जहाज फंसे हैं उन्हें तुरंत वहां से स्वदेश लाया जा सके। भारत सरकार ने सीजफायर का स्वागत करते हुए आशा जताई है कि इससे क्षेत्र में स्थायी शांति कायम होगी। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है, हम घोषित युद्ध विराम का स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि यह पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की ओर ले जाएगा। जैसा कि हम पहले से लगातार वकालत कर रहे थे, संघर्ष को कम करने के साथ संवाद और कूटनीति ही चल रहे संघर्ष को जल्द समाप्त करने के लिए आवश्यक हैं। भारत ने आगे कहा है कि संघर्ष से पहले ही लोगों को अपार पीड़ा पहुंची है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति तथा व्यापार नेटवर्क बाधित हुए हैं। भारत उम्मीद करता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की निर्बाध स्वतंत्रता बनी रहेगी और वैश्विक वाणिज्य का सामान्य प्रवाह बहाल होगा।

भारत के 16 जहाज पश्चिमी हिस्से में फंसे हुए हैं

वर्तमान में भारत के 16 जहाज होर्मुज के पश्चिमी हिस्से में फंसे हुए हैं। इनमें अधिकांश तेल और गैस से जुड़े जहाज हैं। इन जहाजों में तकरीबन दो लाख टन से ज्यादा एलपीजी है जिसकी भारत को सख्त जरूरत है। इन जहाजों को तुरंत निकालने के लिए भारतीय सरकार ईरान के साथ लगातार संपर्क में है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है, जिसमें पश्चिम एशिया से आने वाला हिस्सा करीब 60 प्रतिशत है। होर्मुज जलडमरूमध्य में कोई भी अस्थिरता भारत की ऊर्जा आपूर्ति और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए गंभीर खतरा बन जाती है।

अब राजस्थान की रिफाइनरी से नहीं निकलेगा कचरा, सबसे आधुनिक भी

● पीएम 21 अप्रैल को करेंगे इसका उद्घाटन, 79 हजार करोड़ में बनी

जयपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रैल को बालोतरा जिले में पचपदरा रिफाइनरी के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे। मारवाड़ सहित पूरे राजस्थान के लिए रिफाइनरी के अलग मायने हैं। प्रोजेक्ट से बाड़मेर-जैसलमेर में इंडस्ट्रियल क्लस्टर विकसित होगा। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स व सहायक उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। जनवरी से ही रिफाइनरी के पहले चरण के ट्रायल रन (कच्चे तेल का प्रसंस्करण) की तैयारी शुरू कर दी गई थी। इसमें जल्द कमर्शियल उत्पादन शुरू हो जाएगा। मोदी 2 महीने में दूसरी बार राजस्थान आ रहे हैं। पीएमओ से मंजूरी मिलने के बाद सीएम भजनलाल शर्मा ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करके इस बात की जानकारी दी है। पचपदरा रिफाइनरी का शिलान्यास पहली बार 22 सितंबर 2013 को हुआ था। उस समय सोनिया गांधी ने रिफाइनरी का शिलान्यास किया था।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

दोनों पक्षों में अविश्वास की खाई बहुत बढ़ गई है

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने पूरी दुनिया को एक बार फिर अस्थिरता के मुहाने पर ला खड़ा किया है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ती तल्ख़ी केवल दो देशों का विवाद नहीं रह गई है, बल्कि इसका असर वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन तक साफ़ दिखाई दे रहा है। जिस तरह से कठोर बयानबाज़ी और युद्ध की धमकियां सामने आ रही हैं, उसने दोनों पक्षों के बीच अविश्वास की खाई को और गहरा कर दिया है। अमेरिका द्वारा ईरान को "पाषाण युग में भेजने" जैसी चेतावनी और इसके जवाब में ईरान की ओर से पूरे खाड़ी क्षेत्र को तबाह करने की धमकी, यह संकेत देती है कि मामला अब केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि अहंकार और शक्ति प्रदर्शन का रूप ले चुका है। जब अंतरराष्ट्रीय संबंधों में विवेक की जगह आक्रामकता ले लेती है, तो शांति की संभावनाएं स्वतः ही कमजोर पड़ जाती हैं। इस संघर्ष का सबसे गंभीर प्रभाव ऊर्जा क्षेत्र पर पड़ा है। खाड़ी क्षेत्र, जो दुनिया के सबसे बड़े पेट्रोलियम भंडारों में से एक है, लगातार अस्थिर बना हुआ है। तेल और गैस की कीमतों में तेज़ उछाल ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है। पेट्रोल, डीजल, एलपीजी से लेकर उद्योगों के लिए आवश्यक कच्चे माल तक सब कुछ महंगा हो गया है। इसका सीधा असर गरीब और विकासशील देशों पर पड़ा है, जहां पहले से ही आर्थिक चुनौतियां मौजूद हैं। स्थिति को और जटिल बनाता है हॉर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का अहम मार्ग है। इसके अवरुद्ध होने की आशंका ने दुनिया की जीडीपी तक को प्रभावित किया है। यदि यह संकट लंबा खिंचता है, तो वैश्विक मंदी का खतरा भी बढ़ सकता है। राजनीतिक स्तर पर भी इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के लिए यह संघर्ष घरेलू राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बन सकता है। यदि आगामी चुनावों में उन्हें झटका लगता है, तो संसद में उनके खिलाफ जांच और दबाव की स्थिति पैदा हो सकती है। इसके बावजूद, ईरान की जनता का मनोबल अभी तक कायम है, जो इस बात का संकेत है कि केवल सैन्य शक्ति से किसी राष्ट्र को झुकाना आसान नहीं होता। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या दोनों पक्ष इस बढ़ती आग को समय रहते शांत कर पाएंगे, या यह संघर्ष और व्यापक रूप ले लेगा। स्पष्ट है कि वर्तमान हालात में संवाद और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है। यदि अहंकार पर नियंत्रण नहीं रखा गया, तो इसका खामियाजा केवल इन देशों को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा।

युद्ध अपराधी है डोनॉल्ड ट्रंप व नेतन्याहू

ट्रंप की दुनिया में फ़ज़ीहत

तनवीर जाफ़री

नेतन्याहू के इशारों पर यह हत्याएं घने रिहायशी इलाक़ों, स्कूल्स, बाज़ार, अस्पताल, स्कूल यहाँ तक कि शरणार्थी कैम्पस में और भूख की तपिश से जूझ रहे खाद्य सामग्री लेने की लाइन में लगे असहाय लोगों पर बम व गोले बरसा कर उनकी जान लेकर की गयी हैं। यही वजह है कि नेतन्याहू पर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने युद्ध अपराध वारंट जारी किया हुआ है। नेतन्याहू पर भुखमरी को युद्ध का हथियार बनाना, जानबूझकर नागरिक आबादी पर हमला निर्देशित करना, मानवता के ख़िलाफ़ अपराध, हत्या, उत्पीड़न व अन्य अमानवीय कृत्य जैसे युद्ध अपराध शामिल हैं। आज भी नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के भगौड़े अपराधियों की श्रेणी में शामिल हैं। परन्तु युद्ध अपराधी भगौड़ा नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देता। उल्टे इसे यहूदी-विरोधी तथा राजनीतिक साज़िश बताकर अपने युद्ध अपराध पर पर्दा डालने की कोशिश करता है। इसी युद्ध अपराधी नेतन्याहू के जाल में फंसकर राष्ट्रपति ट्रंप भी युद्ध अपराध करते जा रहे हैं। ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की उनकी धमकी इस बात का सुबूत है कि ऐसे मानसिक रोगी राजनीतिज्ञ की जगह जेल में होनी चाहिये। दुनिया को यह सोचना पड़ेगा कि आख़िर क्या वजह है कि...

अमेरिका व इज़राइल द्वारा संयुक्त सैन्य अभियान चलाकर ईरान पर थोपे गये बेलात युद्ध को पांच सप्ताह बीत चुके हैं। पूरी दुनिया में अपनी फ़ज़ीहत होती देख राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने अब खिसियाहट में ईरान के आधारभूत ढांचों को नुक़सान पहुँचाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में अमेरिका ने पिछले दिनों ईरान की राजधानी तेहरान और कराज़ को जोड़ने के लिए बनाये जा रहे राजधानी के सबसे ऊँचे सस्पेंशन ब्रिज को ध्वस्त कर दिया। लगभग 1 किलोमीटर से अधिक लंबे और 136 मीटर ऊँचे इस निर्माणाधीन हाई-राइज़ ब्रिज पर पिछले दिनों अमेरिका और इज़राइल ने मिलकर दो बार एयरस्ट्राइक की। इन हवाई हमलों के परिणामस्वरूप पुल का बड़ा हिस्सा बर्बाद हो गया। इस हमले में कम से कम 8 लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हुए। इस हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इस पुल के ढहते हुए वीडियो शेयर कर ईरान को धमकी देते हुये लिखा कि डील कर लो, वरना बहुत देर हो जाएगी। उन्होंने लिखा कि अगर ईरान ने अपना रुख़ नहीं बदला तो उस देश में कुछ भी नहीं बचेगा जो कभी महान देश बन सकता था।

ट्रंप ने इस हमले को अमेरिकी सेना की ताक़त का छोटा नमूना बताया और यह संकेत दिया कि अगर ईरान डील से मना करता है तो देश के पावर प्लांट, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क आदि अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर भी अगले निशाने हो सकते हैं। इसी अमेरिका ने युद्ध की शुरुआत में 28 फ़रवरी को ही ईरान के मिनाब शहर में शजारेह तैय्येबह बालिका प्राथमिक स्कूल की ईमारत पर टॉमहॉक मिसाइल मिसाइल से हमला कर लगभग 175 लोगों को शहीद कर दिया था इनमें अधिकांश स्कूल की बच्चियां शामिल थीं। स्कूल के पास ही दवाख़ाना व अन्य नागरिक सुविधाएं भी थीं। इसी हमले के चलते न केवल ईरान ने अमेरिका को युद्ध अपराध का दोषी ठहरा दिया था बल्कि दुनिया भर में भी इसे युद्ध अपराध क़रार दिया गया। ग़ौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के मूल सिद्धांतों के तहत जिनेवा कन्वेंशन्स 1949 व इसके एडिशनल प्रोटोकॉल्स 1977 के अंतर्गत युद्ध में रिहाइशी इलाक़ों,स्कूलों, अस्पताल, पानी की व्यवस्था संबंधित प्लांट्स, बिजली ग्रिड,पुल जैसे बुनियादी ढांचों पर हमले सामान्यतः नहीं किए जा सकते। ये युद्ध अपराध माने जाते हैं। युद्ध में लड़ाई के दौरान सैनिकों,सैन्य लक्ष्यों और नागरिकों व नागरिक सुविधा संबंधी वस्तुओं के बीच स्पष्ट अंतर करना ज़रूरी है। परन्तु अमेरिका तो क्या उसकी शह व संरक्षण में युद्धरत इस्राइल को भी न तो मानवीय क़ानून की फ़िक्र है न ही जिनेवा कन्वेंशन्स में निर्धारित युद्ध के सिद्धांतों की। इसीलिये अपनी अपार शक्ति व सर्वोच्चता के नशे में चूर अमेरिका व उसके पिछलग्गू इजराइल द्वारा हर संभव युद्ध अपराध किया जा रहा है। गाज़ा में तो नेतन्याहू के नेतृत्व में इजराइल ने दरिन्दगी का वह इतिहास रचा है जिसने युद्ध अपराध की सभी सीमाओं को पार कर दिया है। सरकारी आंकड़े बताते है कि 7 अक्टूबर 2023 से 25 मार्च 2026 तक इजराइली सेना द्वारा 72,265 फ़िलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि 1,71,959 लोग घायल हुए। यहाँ तक कि 10 अक्टूबर 2025 को लागू हुये युद्धविराम के बाद भी इजराइल ने लगभग 700 लोगों को मार दिया

है। हालाँकि कुछ स्वतंत्र अध्ययन कुल मौतों का आंकड़ा 75,000 से ज़्यादा बता रहे हैं। स्वयं इजराइली सेना ने जनवरी 2026 में 70,000 मौतों का आंकड़ा स्वीकार किया था। कुल लगभग 22-23 लाख की आबादी वाले इस इलाक़े में 19 लाख से ज़्यादा लोग एक या कई बार विस्थापित हुए हैं। नतीजतन आज भी 17 लाख से ज़्यादा लोग अस्थायी विस्थापन कैंप्स में रह रहे हैं। इनमें से ज़्यादातर लोगों के घर-मकान नष्ट हो चुके हैं जिसके चलते लोग बेघर हैं। नेतन्याहू के इशारों पर यह हत्याएं घने रिहायशी इलाक़ों, स्कूल्स, बाज़ार, अस्पताल, स्कूल यहाँ तक कि शरणार्थी कैम्पस में और भूख की तपिश से जूझ रहे खाद्य सामग्री लेने की लाइन में लगे असहाय लोगों पर बम व गोले बरसा कर उनकी जान लेकर की गयी हैं। यही वजह है कि नेतन्याहू पर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने युद्ध अपराध वारंट जारी किया हुआ है। नेतन्याहू पर भुखमरी को युद्ध का हथियार बनाना, जानबूझकर नागरिक आबादी पर हमला निर्देशित करना, मानवता के ख़िलाफ़ अपराध, हत्या, उत्पीड़न व अन्य अमानवीय कृत्य जैसे युद्ध अपराध शामिल हैं। आज भी नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के भगौड़े अपराधियों की श्रेणी में शामिल हैं। परन्तु युद्ध अपराधी भगौड़ा नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देता। उल्टे इसे यहूदी-विरोधी तथा राजनीतिक साज़िश बताकर अपने युद्ध अपराध पर पर्दा डालने की कोशिश करता है। इसी युद्ध अपराधी नेतन्याहू के जाल में फंसकर राष्ट्रपति ट्रंप भी युद्ध अपराध करते जा रहे हैं। ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की उनकी धमकी इस बात का सुबूत है कि ऐसे मानसिक रोगी राजनीतिज्ञ की जगह जेल में होनी चाहिये। दुनिया को यह सोचना पड़ेगा कि आख़िर क्या वजह है कि उनके सलाहकारों से लेकर सैन्य विभाग के अनेक बड़े अधिकारी तक इस अवैध युद्ध का विरोध करते हुये क्योंकर इस सनकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खड़े होने के बजाये अपने इस्तीफ़े दे रहे हैं। नाटो सहित उसके कई सहयोगी देश खुलकर ट्रंप के ईरान में सैन्य हस्तक्षेप का विरोध कर रहे हैं। और आज ईरान की ताक़त व उसकी रक्षात्मक व आक्रामक शक्ति का अंदाज़ा किये बिना ईरान पर हमला बोल देने और परणामस्वरूप अमेरिका द्वारा ऐतिहासिक क्षति का सामना करने से अमेरिका के महाशक्ति होने का जो भरम टूटा है उसका ज़िम्मेदार भी ट्रंप ही है। और इसी सन्दर्भ में ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची को यह कहना पड़ा है कि अधूरे बने पुलों समेत इंफ्रास्टक्चर पर हो रहे हमले ईरानियों को सरेंडर करने के लिये मजबूर नहीं कर सकते। यह केवल अव्यवस्था में फंसे दुश्मन की हार और उस के नैतिक पतन को दिखाता है। साथ ही अरागची ने यह भी कहा कि हर पुल और ईमारत को पहले से ज़्यादा मज़बूती के साथ बनाया जायेगा।

मंथन

विवेक शुक्ला

सेहत और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे स्ट्रा

हम सब अपने पसंदीदा पेय ठंडी कॉफी, ताजा नींबू पानी या कोक को पीने के लिए स्ट्रॉ का इस्तेमाल बिना एक पल सोचे कर लेते हैं। ये हमें सुविधाजनक, साफ़-सुथरा और सुरक्षित लगता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटा-सा प्लास्टिक या पेपर स्ट्रॉ हमारी सेहत और पर्यावरण दोनों को चुपचाप नुकसान पहुंचा रहा है? इन छोटे से स्ट्रॉ का केवल कुछ मिनटों के लिए इस्तेमाल होता है, इसलिए इनसे होने वाले नुकसान की कोई चर्चा ही नहीं हो पाती है। दुनिया भर में हर दिन इस्तेमाल किए जाने वाले स्ट्रा समुद्र तट और महासागर की सफाई के दौरान सबसे आम कचरे में से एक होते हैं। अपने छोटे और हल्के आकार के कारण स्ट्रॉ की शायद ही कभी रीसाइक्लिंग होती हो। ये नदियों, समुद्रों और कचरा स्थलों (लैंडफिल) में पहुंच जाते हैं, जहां ये सैकड़ों साल तक बने रह सकते हैं। राजधानी के पर्यावरणविद और उद्यमी गुरसेव चावला कहते हैं, "भारत में हमारी बड़ी आबादी और बढ़ती कैफ़े कल्चर के कारण स्ट्रॉ का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे समस्या और गंभीर हो रही है।" कुछ साल पहले, दुनिया के कई हिस्सों में प्लास्टिक स्ट्रॉ पर प्रतिबंध लगना शुरू हुआ, जिसका लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद पेपर और मकई से बने प्लास्टिक के स्ट्रॉ बाजार में आए और उन्हें "पर्यावरण के अनुकूल" विकल्प के रूप में देखा गया, लेकिन लोगों की धारणा और वास्तविकता के बीच अंतर है। प्रख्यात चिकित्सक और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं, "कई पेपर स्ट्रॉ में रसायन होते हैं, जिन्हें 'फॉरएवर केमिकल्स' भी कहा जाता है। ये आसानी से नष्ट नहीं होते और लंबे समय तक पर्यावरण और हमारे शरीर में बने रह सकते हैं। इन्हें नष्ट करने के लिए विशेष औद्योगिक परिस्थितियों की जरूरत होती है, जो भारत के अधिकांश शहरों में उपलब्ध नहीं हैं।" प्लास्टिक स्ट्रॉ सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली एकल-उपयोग (सिंगल-यूज़) वस्तुओं में से एक हैं। जब ये गर्मी, धूप या नींबू पानी जैसे अम्लीय पेय के संपर्क में आते हैं, तो ये माइक्रोप्लास्टिक नामक छोटे कण छोड़ जाते हैं। माइक्रोप्लास्टिक बहुत छोटे प्लास्टिक कण होते हैं, जो हमारे भोजन और पेय के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। प्लास्टिक में ऐसे रसायन भी होते हैं जो हमारे हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और समय के साथ हमारी सेहत को तबाह करने लगते हैं। एक स्ट्रॉ भले ही नुकसानदेह न लगे, लेकिन इसके नियमित इस्तेमाल से इसका प्रभाव बढ़ता जाता है और यह एक गंभीर चिंता का कारण बन सकता है। यह दिखाता है कि केवल प्लास्टिक को किसी अन्य सामग्री से बदलना पर्याप्त नहीं है-विकल्प वास्तव में सुरक्षित और टिकाऊ होना चाहिए। यहीं पर गन्ने के बगैस से बने स्ट्रॉ एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आते हैं। बगैस का हिंदी अर्थ खोई है, जो गन्ना या ज्वार का रस निकालने के बाद बचा हुआ सूखा, रेशेदार अवशेष होता है। यह मुख्य रूप से चीनी मिलों में ईंधन, बिजली उत्पादन, कागज़, लुगदी और पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग सामग्री (डिस्पोजेबल प्लेट, कप) बनाने के लिए एक नवीकरणीय स्रोत के रूप में उपयोग किया जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह भारत में आसानी से उपलब्ध है। आप इसे देश के बड़े चीनी उद्योग का उप-उत्पाद कह सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि बगास से बने स्ट्रॉ के कई फायदे हैं। जैसा कि ये पूरी तरह प्लास्टिक-मुक्त और गैर-विषैले होते हैं, इनमें हानिकारक रसायन नहीं होते और ये प्राकृतिक रूप से नष्ट हो जाते हैं और घर पर भी गल सकते हैं। ये कृषि अपशिष्ट से बनाए जाते हैं, जिससे बेकार चीज़ उपयोगी बन जाती है। ये रोज़मर्रा के उपयोग के लिए पर्याप्त मज़बूत होते हैं और पेय में कोई हानिकारक पदार्थ नहीं छोड़ते। सबसे अच्छी बात ये यह है कि बगास आधारित उत्पादों का उत्पादन पहले से ही बढ़ रहा है। पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों की बढ़ती मांग और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर सख्त नियमों के कारण कई व्यवसाय अब ऐसे विकल्प अपनाने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज के उपभोक्ता अधिक जागरूक हो रहे हैं। वे उन ब्रांड्स को पसंद करते हैं जो वास्तव में पर्यावरण की परवाह करते हैं। व्यवसायों के लिए सुरक्षित विकल्प अपनाने से विश्वास और ब्रांड छवि दोनों में सुधार हो सकता है। सरकारी नीतियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाना पर्याप्त नहीं है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि "सुरक्षित" और "कम्पोस्टेबल" किसे कहा जाए। भ्रामक दावों पर नियंत्रण होना चाहिए और कृषि अपशिष्ट का उपयोग करने वाले उद्योगों को समर्थन मिलना चाहिए। अब समय है कि हम सुविधा से आगे बढ़कर जागरूक विकल्प चुनें-एक-एक घूंट के साथ।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हम अपने भीतर अच्छा स्वास्थ्य कैसे लाएं?

संकलित

दर्शन

क्या आप सचमुच स्वस्थ हैं? स्वास्थ्य का अर्थ है, रोग-मुक्त शरीर, कंपन-मुक्त श्वास, तनाव-मुक्त मन, संकोच-मुक्त बुद्धि, आसक्ति-मुक्त स्मृति, समावेशी अहंकार और दुःख से मुक्त आत्मा। समग्र स्वास्थ्य के लिए व्यायाम, श्वास और ध्यान का अभ्यास आवश्यक है। श्वास ही जीवन है। हमारा जीवन हमारी श्वास में है। यदि कोई श्वास नहीं ले रहा, तो इसका अर्थ है- वहां जीवन नहीं है। ध्यान, प्राणायाम और योगिक अभ्यासों का मुख्य उद्देश्य प्राण या जीवन ऊर्जा को बढ़ाना है। दरअसल प्राण भावनाओं से भी अधिक सूक्ष्म होता है। जब हम सूक्ष्म स्तर पर ध्यान देते हैं, तो स्थूल स्वतः ठीक हो जाता है। जब आप श्वास को संभालते हैं, तो शरीर स्वस्थ हो जाता है। यदि आपकी श्वास गरम, हिलती-डुलती, असमान या असहज है, तो यह रोग का संकेत है। श्वास का पैटर्न शरीर में उपस्थित विषाक्त तत्त्वों और संभावित रोगों की सूचना देता है। हमारी श्वास में अनेक रहस्य छिपे हैं। क्योंकि मन की हर भावना के साथ श्वास की एक विशेष लय जुड़ी होती है। हर लय शरीर के किसी विशेष भाग को प्रभावित करती है। जरा ध्यान से देखें। जब हम प्रसन्न होते हैं तो विस्तार का अनुभव होता है और जब दुखी होते हैं तो संकुचन का। हम इन अनुभूतियों को तो महसूस करते हैं, पर उनके बीच संबंध को नहीं पहचानते। इसलिए जब आप सीधे मन को नियंत्रित नहीं कर पा रहे हों, तो श्वास के माध्यम से मन को नियंत्रित किया जा सकता है।

जब मन हो अशांत, इष्टदेव का ध्यान करें

संकलित

प्रेरणा

शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।

अंतर्मन

आज की पाती

शादियों का स्वरूप बहुत बदल गया

भारत में शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं बल्कि एक बड़ा सामाजिक आयोजन भी माना जाता है। यहां शादी में परिवार, रिश्तेदार, दोस्त और पूरा समाज शामिल होता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में शादियों का स्वरूप बहुत बदल गया है। आजकल कई शादियां इतनी भव्य और महंगी हो गई हैं कि उनमें करोड़ों रुपए तक खर्च किए जाते हैं। बड़े-बड़े होटल, महंगे कपड़े, विदेशी सजावट, मशहूर कलाकारों के कार्यक्रम और कई दिनों तक चलने वाले समारोह अब आम बात हो गए हैं। ऐसी शादियों का सबसे बड़ा प्रभाव गरीब वर्ग पर पड़ता है। जब समाज में अमीर लोग बहुत महंगी शादियां करते हैं तो बाकी लोगों पर भी वैसी ही शादी करने का दबाव बनने लगता है। आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च बोझ बन जाता है।

– सुरेश यादव, बिलासपुर

ट्रेंड

पाक के टुकड़े होंगे

पाकिस्तान एक बार खामियाजा भुगत चुका है। आज से 55 वर्ष पहले पाकिस्तान दो टुकड़ों में खण्ड-खण्ड हो गया था। अगर उन्होंने हमारे बंगाल की तरफ नजर उठाकर देखने की कोशिश की तो कितने टुकड़े होंगे, यह ऊपर वाला ही जानता है।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

तकनीकी उत्कृष्टता

भारत परमाणु शक्ति के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। कलपक्कम में प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर हमारी तकनीकी उत्कृष्टता और राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा का प्रतीक है। अपने विशाल थोरियम भंडार का उपयोग करके, भारत ऊर्जा क्षेत्र में वर्चस्व और दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक निर्णायक कदम उठा रहा है।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

स्वास्थ्य सेवा प्रणाली

नर्सें हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की आधारशिला हैं। उनका समर्पण, निस्वार्थ भाव और सहानुभूति ही परिवारों को अपने प्रियजनों को उनकी देखभाल में सौंपने का सुरक्षित एहसास दिलाती है।

- राहुल गांधी, सांसद, सपा

शिक्षामित्रों का हक

भाजपा सरकार ने 9 साल शिक्षामित्रों का हक मारा और अब बढ़ाया भी तो भी सपा सरकार से 22 हजार कम है। अब जब भाजपा सरकार का फरमानेन्ट रिटायरमेंट होने वाला है तब ये शिक्षामित्रों के प्रति सहानुभूति दिखा रहे है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

यूक्रेन ने युद्ध के बीच बचाए गए चमगादड़ों को छोड़ा

कड़ाके की ठंड के बाद यूक्रेन के लोग युद्ध प्रभावित इलाकों से बचाए गए चमगादड़ों को अब छोड़ रहे हैं। राजधानी कीव के बाहरी इलाके में स्थित एक नेचर पार्क में रात ढलते ही बच्चे स्वयंसेवकों के आसपास इकट्ठा हो जाते हैं, जो कपड़े के थैलों को सावधानीपूर्वक खोलकर चमगादड़ों को अंधेरे आसमान में उड़ने के लिए छोड़ते हैं। प्रत्येक चमगादड़ के हवा में उड़ान भरने पर वहां मौजूद 1,000 से अधिक लोग तालियां बजाकर उसका स्वागत करते हैं। देश के पूर्वी हिस्सों के युद्धग्रस्त क्षेत्रों से बचाए गए सैकड़ों चमगादड़ों को शनिवार देर रात यूक्रेन के विभिन्न हिस्सों में आयोजित कार्यक्रमों के तहत छोड़ा गया, जो वसंत ऋतु के आगमन के साथ आयोजित किए गए थे।

'यूक्रेनियन बैट रिहैबिलिटेशन सेंटर' की स्वयंसेवक अनास्तासिया वोक्क ने कहा कि यह कार्यक्रम संगठन के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ये जीव संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची में शामिल हैं और उनका संरक्षण बेहद जरूरी है। यूक्रेन में चमगादड़ों की सभी 28 प्रजातियों को इनकी घटती संख्या के कारण संरक्षित जीवों की सूची में रखा गया है। कई लोगों के लिए यह कार्यक्रम कड़ी सर्दियों के बाद राहत का अवसर था। सर्दियों में शून्य से नीचे तापमान, रूस के ड्रोन और मिसाइल हमले तथा बिजली कटौती जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा था।

ऑफ बीट

हमारी दृष्टि एक-आंख वाले पूर्वज कीड़े से हुई विकसित

काफी समय से माना जाता रहा है कि इंसानों और अन्य कशेरुकी जीवों की आंखें, अकशेरुकी जीवों की आंखों से बुनियादी रूप से अलग होती हैं, क्योंकि

उनकी कोशिकाओं की संरचना और जन्म से पहले उनके विकसित होने का तरीका अलग होता है। हमारे अध्ययन से संकेत मिलता है कि हमारी आंखों की जड़ें एक ऐसे कीड़े जैसे पूर्वज से जुड़ी हैं, जो करीब 60 करोड़ साल पहले समुद्रों में विचरण करता था। हमने पाया कि ज्यादातर जीवों में आंखें और रोशनी महसूस करने वाली कोशिकाएं दो जगहों पर होती हैं- एक चेहरे के दोनों तरफ (जोड़ी में) और दूसरी सिर के बीच में, मस्तिष्क के ऊपर। हमने जिन जीवों का अध्ययन किया, उनमें चेहरे के दोनों तरफ मौजूद ये कोशिकाएं शरीर की गतिविधियों को दिशा देने में मदद करती हैं, जबकि बीच में मौजूद कोशिकाएं दिन और रात के फर्क के साथ-साथ ऊपर-नीचे की पहचान करने में सहायक होती हैं। हमारे निष्कर्ष के मुताबिक, सभी कशेरुकी जीवों के कीड़े जैसे पूर्वज ने करीब 60 करोड़ साल पहले जब समुद्र की तलहटी में बिल बनाकर स्थिर जीवन जीना शुरू किया, तो उसने दिशा नियंत्रित करने वाली अपनी जोड़ी आंखें खो दीं। दरअसल, जब यह जीव एक जगह रहकर पानी से बीन-बीनकर भोजन हासिल करने लगा, तो उसे चलने-फिरने की जरूरत नहीं रही।

जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने किया नगर निगम का निरीक्षण, पार्षदों ने बजट की मांग दोहराई

पाली (मोहम्मद यासीन/रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने नगर निगम के विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने निगम की कार्यप्रणाली को बारीकी से देखा और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के प्रतिपक्ष नेता हकीम भाई, पार्षद हाजी मेहबूब टी और पार्षद निर्मल तेजी सहित कई पार्षदों ने जिला कलेक्टर का स्वागत किया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष हकीम भाई ने शहर के विकास कार्यों की अटकी हुई योजनाओं का हवाला देते हुए नगर निगम के लिए विशेष बजट की मांग रखी, ताकि नागरिक सुविधाओं में विस्तार किया जा सके। कलेक्टर ने मांगों पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया।

बांमला: विद्यालय में साइबर व विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में समीपवर्ती महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बामला में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जिला एवं सेशन न्यायाधीश सत्यनारायण टेलर द्वारा मां शारदे के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इस दौरान न्यायाधीश टेलर ने विद्यार्थियों को साइबर ठगी, चाइल्ड अवेयरनेस, विधिक जागरूकता और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। न्यायाधीश टेलर ने सरकारी पोर्टलों पर साइबर अपराधों की रिपोर्ट करने के तरीके समझाए और व्हाट्सएप-फेसबुक पर फैलने वाली भ्रामक सूचनाओं से सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 और बच्चों के लिए आपातकालीन सेवा हेल्पलाइन नंबर 1098 के महत्व को बताया, ताकि जरूरतमंद और पीड़ित विधिक सहायता प्राप्त कर सकें। उन्होंने जोर देकर कहा कि साइबर सुरक्षा को अपनाकर ही अपराधों को रोका जा सकता है। कार्यक्रम प्रभारी अमित भार्गव ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य तकनीकी जागरूकता के माध्यम से आमजन की न्याय तक पहुंच को सशक्त बनाना था। इससे पूर्व व्याख्याता प्रमोद यदुवंशी ने अतिथियों का अभिनंदन किया। इस मौके पर न्यायालय कार्मिक मुकेश सेन, राहुल गौतम, विद्यालय स्टाफ, विद्यार्थी और अभिभावक मौजूद रहे। अंत में प्रभारी अमित भार्गव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पाखर चौड़ाकी: विद्यालय में प्रवेश उत्सव रैली एवं मेधावी छात्र सम्मान समारोह आयोजित

महुआ/मंडावर (शफीक अली/रॉयल पत्रिका)। मंडावर उपखंड के समीपवर्ती राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पाखर चौड़ाकी में नवीन नामांकन हेतु जागरूकता के लिए प्रवेश उत्सव रैली का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें सत्र 2025-26 की माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा (10वीं और 12वीं) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए प्राचार्य कैलाश चंद मीणा ने कहा कि यह रैली ग्रामीणों और बच्चों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करने के लिए निकाली गई है। उन्होंने मेधावी छात्रों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा ही सफलता का एकमात्र माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर राजकुमार मीना, घनश्याम लाल वर्मा, जगमोहन मीणा, राजेश मीणा, बंदना बंसल, चन्द्रशेखर जांगिड़, दयाचंद बैरवा, नमोनारायण मीणा, चमन बाई मीणा सहित समस्त विद्यालय स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

अमेरिका-ईरान युद्धविराम और भारत की कूटनीतिक विफलता: क्या 'विश्व गुरु' केवल एक नारा है? — डॉ. सुमित गर्ग

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका ब्यूरो)। अमेरिका और ईरान के बीच हालिया तनाव के बाद दो सप्ताह के युद्धविराम ने वैश्विक राजनीति में कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। डॉ. सुमित गर्ग ने एक विश्लेषण में कहा कि अमेरिका के आक्रामक तेवर और डोनाल्ड ट्रंप के ईरान को मिटाने वाले दावे खोखले साबित हुए हैं। स्थिति यह है कि ईरान में विजय जुलूस निकल रहे हैं और अमेरिका में ट्रंप के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। डॉ. गर्ग ने भारत की स्थिति पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि इस पूरे घटनाक्रम में भारत की विदेश नीति की साख कमजोर हुई है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अमेरिका और ईरान जैसे विरोधी देश भी अब पाकिस्तान पर भरोसा जता रहे हैं और अगली वार्ता इस्लामाबाद में प्रस्तावित है, जो भारत के लिए कूटनीतिक झटका है। अकेला पड़ता भारत? लेख में 'ऑपरेशन सिंदूर' का हवाला देते हुए बताया गया कि जहां पाकिस्तान को चीन, तुर्की और अजरबैजान का खुला समर्थन मिला, वहीं भारत के पक्ष में कोई देश खुलकर सामने नहीं आया। यहां तक कि पारंपरिक मित्र रूस भी खामोश रहा। डॉ. गर्ग ने कहा कि एक समय था जब भारत ने पाकिस्तान को FATF की ग्रे लिस्ट में डलवाकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग-थलग कर दिया था, लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वही पाकिस्तान वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या 'विश्व गुरु' का दावा केवल एक नारा बनकर रह गया है, क्योंकि आज न तो अमेरिका, न रूस और न ही यूरोप भारत के साथ मजबूती से खड़ा दिख रहा है।

विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर गूंजा शांति और कल्याण का संदेश

बारां (शब्बीर हुसैन/रॉयल पत्रिका)। विश्व नवकार महामंत्र दिवस के अवसर पर सकल जैन समाज द्वारा जैन कॉलोनी स्थित शांतिनाथ भवन में भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंता विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया रहे, जिन्होंने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस दौरान विश्व शांति, सौहार्द और समस्त जीवों के कल्याण की कामना की गई। जैन समाज अध्यक्ष राजेन्द्र रंगावत, दीप पतीरा और मंत्री कमल मारू ने बताया कि आयोजन में 300 से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। प्रातः 9.01 से 9.36 बजे तक सामूहिक रूप से नवकार महामंत्र की आराधना की गई। अपने उद्बोधन में प्रमोद जैन भाया ने कहा कि इस महामंत्र में अपार आध्यात्मिक शक्ति है, जो मन को शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती है। जीतो संस्था के अभियान की सराहना कार्यक्रम में 'जीतो संस्था' के वैश्विक अभियान की सराहना करते हुए जे.टी.आर. मृदुला मारू एवं सुधर्म महिला मंडल अध्यक्ष ने समाज सेवा में संस्था की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने आयोजन में जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया के विशेष सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर गौतम मारू, मनोज मारू, निर्मल मारू, किरण भाई, विजय भाई, दीपक भाई, हितेश मारू, सुनील वेद, ज्ञान वेद, राजेन्द्र वेद, बुद्धिप्रकाश मारू, अशोक मारू, सतीश भाई, ललित श्रीमाल, भंवरलाल पोरवाल, हेमंत और हेमेन्द्र सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक और महिलाएं उपस्थित रहीं।

सखी क्लब की मेंगो थीम किट्टी पार्टी में सखियों ने मचाया धमाल

बारां (रॉयल पत्रिका)। सखी क्लब की ओर से 'मेंगो थीम' पर आधारित एक भव्य और रंगारंग किट्टी पार्टी का आयोजन आशा गोयल के आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सखी क्लब की अध्यक्ष एवं जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया तथा सचिव श्रुति सिंघल ने बताया कि इस विशेष थीम आधारित आयोजन में सखियों ने बड़े उत्साह के साथ शिरकत की। पूरे कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों, हाउजी गेम्स और स्नेहभोज का आयोजन किया गया, जिसका सभी सदस्यों ने भरपूर आनंद उठाया। प्रतियोगिताओं में दिखा सखियों का उत्साह क्लब की सदस्य चन्द्रकला सेठी एवं संतोष कासलीवाल ने बताया कि आयोजन के दौरान कई रोचक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। "आम से शुरू होने वाले शब्द" प्रतियोगिता में उर्मिला जैन भाया ने प्रथम, श्रुति सिंघल ने द्वितीय तथा त्रिषला जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार "आम के नाम लिखो" प्रतियोगिता में मंजू बंसल प्रथम, त्रिषला जैन द्वितीय एवं श्रुति सिंघल तृतीय स्थान पर रहीं। विजेताओं का हुआ सम्मान अन्य श्रेणियों में "सरप्राइज मेंगो थीम" प्रतियोगिता में नीतू गुप्ता ने बाजी मारते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं "अर्ली बर्ड" प्रतियोगिता में सुनीता जैन और "अर्ली ओके" प्रतियोगिता में ज्योति पारस विजेता रहीं। कार्यक्रम में सखियों के बीच आपसी मेलजोल और उल्लास देखते ही बन रहा था। जन्मदिन के जश्न ने बढ़ाया उत्साह आयोजन के दौरान एक खास पल तब आया जब मार्च एवं अप्रैल माह में जन्मी सखियों का जन्मदिन सामूहिक रूप से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विनिता विजय, मधु गुप्ता, मेघा जैन, प्रीति शर्मा, शालिनी गुप्ता, बबीता जैन, रेखा जैन, मंजू जैन, मधु शर्मा सहित क्लब की कई अन्य सदस्याएं मौजूद रहीं। सभी ने एक-दूसरे को बधाई दी और खुशियां बांटीं।

पेस स्पेस बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आगाज़; मेडिकल कॉलेज ने जीता उद्घाटन मैच

चूरू (मोहम्मद अली पठान/रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित 'पेस स्पेस' (Pace Space) बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड पर नाइट टूर्नामेंट का शानदार शुभारंभ हुआ। खेल प्रेमियों के भारी उत्साह के बीच शुरू हुए इस टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच चूरू मेडिकल कॉलेज और हार्ट केयर हॉस्पिटल की टीमों के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में मेडिकल कॉलेज की जीत टूर्नामेंट के इस पहले और रोमांचक मुकाबले में मेडिकल कॉलेज चूरू की टीम ने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की और टूर्नामेंट में अपना विजयी आगाज़ किया। मैच के दौरान शानदार खेल दिखाने वाले खिलाड़ी नदीम चौहान को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफ द मैच' के खिताब से नवाजा गया। अतिथियों ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चूरू मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. महेश पुकार रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में डीबीएच हॉस्पिटल के पीएमओ डॉ. हनुमान जयपाल और हार्ट केयर हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. दीपक सिंह मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए जरूरी हैं, बल्कि इनसे अनुशासन और टीम भावना भी विकसित होती है। उन्होंने खेल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए आयोजकों की इस पहल की सराहना की। आयोजक टीम ने किया स्वागत टीम पेस स्पेस के आसिफ खान, अजीज खान, इमरान, अकरम अलफखानी, आमिर खान, तनवीर चीकू और फरहान ने सभी अतिथियों का माला पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। आयोजकों ने बताया कि इस नाइट टूर्नामेंट को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य शहर की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को एक बेहतर मंच प्रदान करना और युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देना है।

एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी की नई पहल, अब हर मंगलवार थानों में होगा 'जन संवाद'

सवाई माधोपुर (शादाब अली/रॉयल पत्रिका)। पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी ने जिले में एक नई और सराहनीय पहल की शुरुआत की है। 'जन संवाद' नाम के इस कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस प्रशासन अब सीधे जनता के द्वार तक पहुंचेगा। हर मंगलवार थानों में होगी जनसुनवाई पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशों के अनुसार, जिले के सभी थानों में अब प्रत्येक मंगलवार को "जन संवाद एवं जन सुनवाई कार्यक्रम" का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान सभी थानाधिकारी सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर आमजन की समस्याएं सुनेंगे। इस व्यवस्था से पीड़ितों को अपनी बात रखने के लिए जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे और स्थानीय स्तर पर ही समस्याओं का निराकरण संभव हो सकेगा। मोहल्ला सभाएं और अटल सेवा केंद्रों पर संवाद इस पहल को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक ने बीट स्तर पर भी रूपरेखा तैयार की है। इसके तहत महीने के पहले और तीसरे बुधवार को बीट अधिकारी और कॉन्स्टेबल अपने-अपने क्षेत्रों में मोहल्ला सभाएं आयोजित करेंगे। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में 'अटल सेवा केंद्रों' पर जनसभाएं की जाएंगी, ताकि गांव के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति की समस्या को भी सुना जा सके और कानून व्यवस्था को लेकर उनका फीडबैक लिया जा सके। विश्वास कायम करने की कोशिश पुलिस अधीक्षक ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस संवाद कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपनी समस्याओं या सुझावों से प्रशासन को अवगत कराएं।

उन्होंने कहा कि इस नई व्यवस्था से न केवल क्षेत्र की समस्याओं का जल्द निराकरण होगा, बल्कि आमजन का पुलिस की कार्यप्रणाली पर भरोसा भी मजबूत होगा। इस पहल को पुलिस और जनता के बीच की दूरी कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

सांसद दुष्यंत सिंह ने दी करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात, श्रीराम स्टेडियम में हुआ भव्य समारोह

बारां (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्रीय सांसद दुष्यंत सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार और बारां-अटरू विधायक राधेश्याम बैरवा ने डिजिटल माध्यम से बटन दबाकर जिले को करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। श्रीराम स्टेडियम में आयोजित इस गरिमामयी समारोह के दौरान दर्जनों विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया गया। बारां को दिल्ली और दक्षिण भारत से जोड़ने का प्रयास समारोह को संबोधित करते हुए सांसद दुष्यंत सिंह ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल में बारां को बाढ़ से बचाने की जो योजना बनी थी, उसकी कमियों को अब पूरा किया जा रहा है। उन्होंने रेलवे कनेक्टिविटी पर जोर देते हुए बताया कि बारां को दिल्ली से जोड़ने के प्रयास जारी हैं और 26 अप्रैल को भगत की कोठी ट्रेन के स्टॉपेज से यह क्षेत्र दक्षिण भारत से भी जुड़ जाएगा। सांसद ने कलमंडा में खेल अकादमी, मेडिकल सुविधाओं के विस्तार और परवन सिंचाई परियोजना से आने वाली समृद्धि का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने शेरगढ़ अभ्यारण्य के विकास और मुंबई-दिल्ली कॉरिडोर से बारां को जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया। 60 से अधिक कार्यों का हुआ लोकार्पण-शिलान्यास विधायक राधेश्याम बैरवा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि विधानसभा क्षेत्र में 60 से अधिक कार्यों की शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि मेलखेड़ी कोटा रोड ब्रिज और नलका रोड पर फ्लाईओवर निर्माण की योजना पर कार्य होगा, वहीं तेल फैक्ट्री रेलवे ओवरब्रिज को जल्द जनता को समर्पित किया जाएगा। विधायक ने कानून व्यवस्था और अतिक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण की बात भी कही। भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार ने केंद्र व राज्य सरकार का आभार जताते हुए मातृशक्ति और कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इन प्रमुख कार्यों को मिली मंजूरी भाजपा जिला प्रवक्ता योगेश राजोरा ने जानकारी दी कि आरएसआरडीसी द्वारा मांगरोल रोड बायपास (48.25 करोड़ रुपये), विवेकानंद यूथ हॉस्टल (1.88 करोड़ रुपये), नगर परिषद द्वारा सीसी रोड (2 करोड़ रुपये) और पुनर्वास गृह कलमंडा सहित कुल 60 विकास कार्यों की सौगात मिली है। इस अवसर पर संगठन के तमाम पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने कहा-ज्यादा बोलने वालों की कोई नहीं सुनता

भीलवाड़ा में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा - विश्व में इस समय शांति नहीं है। भारत में एकजुटता की आवश्यकता है। अमेरिका, इजराइल और ईरान खुद को कमजोर कर रहे हैं, यह भारत के लिए ठीक है।

मैं यह मानता हूं कि नमोकार मंत्र एक अलौकिक मंत्र है। उधर कुछ भी हो, लंका जले- हनुमान बाहर। अपने लिए ऐसा ही चल रहा है। उधर कुछ भी हो, हमें क्या करना है। भारत को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। अब उन्होंने अपना रुख बदल दिया है। युद्धविराम करने की घोषणा कर दी है।

राज्यपाल ने कहा- शब्द हमारी अभिव्यक्ति का माध्यम हैं, इसलिए उनका चयन सोच-समझकर करना चाहिए। जो व्यक्ति ज्यादा बोलता है उसकी कोई नहीं सुनता है। कम बोलने वाले की बात को हमेशा सुना जाता है। उसकी बात का महत्व ज्यादा होता है।

राज्यपाल गुरुवार सुबह इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन द्वारा मेडिसिटी ग्राउंड पर आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस समारोह हुए थे।

राज्यपाल ने कहा - महाराष्ट्र के मांगीतुंगी में भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) की 108 फीट ऊंची प्रतिमा को दुनिया की सबसे ऊंची जैन प्रतिमा बताया। यह प्रतिमा एक ही पत्थर से बनाई गई है, ऐसी प्रतिमा पूरे विश्व में कहीं नहीं है। अब पर्यटन भी बढ़ेगा।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में इसकी प्रासंगिकता और बढ़ गई है। तीर्थंकरों ने क्रोध, मोह और द्वेष जैसे आंतरिक शत्रुओं पर विजय पाकर मोक्ष का मार्ग प्रशस्त किया।

अदालत के पास यह तय करने का आधिकार है कि किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है : न्यायालय

नई दिल्ली, (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि उसके पास यह तय करने का अधिकार है कि किसी धर्म में कौन-सी प्रथा अंधविश्वास पर आधारित है। अदालत ने यह टिप्पणी केंद्र सरकार की इस दलील के जवाब में की कि धर्म से जुड़े मामलों पर फैसला करना अदालत के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता, क्योंकि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, धर्म के नहीं। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ केरल के शबरिमला मंदिर समेत धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश से जुड़े कथित भेदभाव और विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। सुनवाई की शुरुआत में केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सवाल किया कि अदालत यह कैसे तय करेगी कि कोई प्रथा अंधविश्वास पर आधारित है। उन्होंने कहा,'मान लें कि कोई प्रथा अंधविश्वास पर आधारित है, तब भी यह तय करना अदालत का काम नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत यह काम विधायिका का है कि वह सुधार के लिए कानून बनाए। मेहता ने कहा कि संसद या राज्य विधानसभाएं किसी प्रथा को अंधविश्वास मानकर उसके खिलाफ कानून बना सकती हैं, जैसे काला जादू रोकने से जुड़े कानून। इस पर न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला ने कहा कि यह दलील बहुत सरल है, क्योंकि अदालत के पास यह तय करने का अधिकार है कि कोई प्रथा अंधविश्वास पर आधारित है या नहीं। उन्होंने कहा, इसके बाद क्या कदम उठाना है, यह विधायिका देख सकती है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि जो विधायिका तय करे वही अंतिम होगा। इसके बाद मेहता ने कहा कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत किसी धार्मिक प्रथा को अंधविश्वास नहीं कह सकती, क्योंकि उसके पास धार्मिक मामलों में विशेषज्ञता नहीं होती। उन्होंने कहा,'माननीय न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ हैं, धर्म के नहीं। मेहता ने कहा कि भारत जैसे विविध समाज में, एक प्रथा जो चीज धार्मिक है, वह दूसरी जगह अंधविश्वास मानी जा सकती है।

पश्चिम के चेहरे से नैतिकता का नकाब हट रहा है: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली,(भाषा)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने ईरान संघर्ष पर घृणित भाषा इस्तेमाल करने के लिए बुधवार को पश्चिमी दुनिया की शक्तियों की आलोचना की और कहा कि दुनिया समझ रही है कि पश्चिम के चेहरे से नैतिकता नकाब हट रहा है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि नफरत, क्रोध, हिंसा और अन्याय कभी नहीं जीतते, जबकि साहस की सदा विजय होती है।प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा, 'ईरानी पुरुषों और महिलाओं ने अपने देश के संसाधनों के चारों ओर मानव श्रृंखलाएं बनाईं, जबकि पश्चिमी शक्तियां घृणित भाषा में बात कर रही थीं, एक सभ्यता के अंत की बात की जा रही थी।उन्होंने कहा, दुनिया देख रही है और समझ रही है कि पश्चिम के चेहरे से नैतिकता का नकाब हट रहा है। नफरत, क्रोध, हिंसा और अन्याय कभी नहीं जीतते। साहस हमेशा जीतता है ईरानी अधिकारियों ने युवाओं से देश के बिजली संयंत्रों के आसपास मानव श्रृंखला बनाने का आह्वान किया था।

मुद्रा योजना ने पूरे भारत में उद्यमशीलता की भावना को मज़बूत किया है : मोदी

मुद्रा योजना ने 11 वर्षों से अंजलि मुद्रा के रूप में काम किया है जो देश की उद्यमी ऊर्जा के लिए एक समर्पित पेशकश है

नई दिल्ली, (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि पीएम मुद्रा योजना ने रुकावटों को दूर करके और लोगों की आकांक्षाओं पर विश्वास करके पूरे भारत में उद्यमशीलता की भावना को मजबूत किया है। पीएम मुद्रा योजना के 11 साल पूरे होने पर, मोदी ने कहा कि इस योजना ने लाखों लोगों को सपने देखने का आत्मविश्वास और उन्हें पूरा करने के साधन प्रदान करके ऋण तक पहुंच को फिर से परिभाषित किया है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा, बाधाओं को दूर करके और जनता की आकांक्षाओं पर भरोसा जताकर, इस पहल ने पूरे भारत में उद्यमशीलता की भावना को मजबूत किया है। मोदी ने कहा कि पीएम मुद्रा योजना एक ऐसी आर्थिक विचारधारा को दर्शाती है जहां अवसर सुलभ हैं और पहलों को प्रोत्साहन दिया जाता है तथा हर सपने को साकार होने के लिए समर्थन मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, मुद्रा योजना की परिवर्तनकारी क्षमता की एक झलक और इसने हमारी युवा शक्ति और नारी शक्ति पर किस प्रकार सकारात्मक प्रभाव डाला है। उन्होंने पीएम मुद्रा योजना पर माई जीओवी इंडिया मंच के एक पोस्ट को भी साझा किया। माई जीओवी इंडिया ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, असली आर्थिक बदलाव हमेशा बोर्डरूम से शुरू नहीं होता। कभी-कभी, यह एक छोटे कर्ज, एक स्थानीय विचार और शुरुआत करने की हिम्मत से आता है। मुद्रा योजना चुपचाप भारत की अर्थव्यवस्था की नींव को नया आकार दे रही है। बिना गारंटी के कर्ज देकर, इसने अनौपचारिक साहूकारों पर निर्भरता कम की है, वित्तीय समावेश को बढ़ाया है, और जमीनी स्तर पर ऋण अनुशासन को मजबूत किया है। सरकारी मंच ने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने 11 वर्षों से अंजलि मुद्रा के रूप में काम किया है जो देश की उद्यमी ऊर्जा के लिए एक समर्पित पेशकश है। इसने कहा, आकांक्षाओं और ऋण के बीच अंतराल को पाटते हुए इसने नौकरी की चाह रखने वाले 52 करोड़ से अधिक लोगों को उद्यमी बनाया है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत 2015 में हुई थी जिसका मकसद छोटे व्यापारियों को 10 लाख रुपए तक का ऋण देना और माइक्रो-फाइनेंस संस्थानों के लिए विनियामक के तौर पर काम करना है।

मुंबई मेट्रो की लाइन नौ और दो बी यात्रियों के लिए खुली

मुंबई, (भाषा)। मुंबई मेट्रो के कॉरिडोर नौ और दो बी के पहले चरण में वाणिज्यिक परिचालन शुरू हो गया जिसका महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्घाटन किया था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मेट्रो-नौ मुंबई के एक उपनगर और ठाणे शहर के एक हिस्से के बीच पहली सीधी कनेक्टिविटी वाला मार्ग है, वहीं लाइन दो बी मुंबई में हार्बर लाइन पर पहली मेट्रो कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। मेट्रो लाइन-नौ के 5.6 किमी ऊंचे चरण-एक खंड में चार स्टेशन शामिल हैं - दहिसर पूर्व, पांडुरंगवाड़ी, मीरागांव और काशीगांव। मेट्रो लाइन दो बी के 5.53 किमीलंबे चरण-एक में पांच स्टेशन हैं, जिनमें देशभक्त एनजी आचार्य उद्यान, छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, देवनार, मानखुर्द और महाराष्ट्र नगर-मंडले शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

मप्र के मुरैना में रेत माफिया ने ट्रैक्टर-ट्रॉली से वनकर्मी को कुचला, मौके पर ही मौत

मुरैना (मध्यप्रदेश),(भाषा)। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में बुधवार सुबह एक रेत माफिया ने ट्रैक्टर-ट्रॉली से एक वन आरक्षक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना जिले की अंबाह तहसील के रानपुर गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 552 पर उस वक्त हुई जब अवैध रेत खनन और परिवहन रोकने के अभियान के तहत गश्त कर रहे वनकर्मियों ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोकने की कोशिश की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह डावर ने बताया कि वन विभाग के गश्ती दल के सदस्य आरक्षक हरकेश गुर्जर (35) ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोकने की कोशिश की लेकिन चालक ने उन्हें कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने कहा कि चंबल नदी के ऐसाह घाट से रेत का अवैध परिवहन कर रहा ट्रैक्टर-ट्रॉली का चालक मौके से फरार हो गया। उन्होंने कहा कि दिमनी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और फरार चालक की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरक्षक के शव को जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना में मारे गए आरक्षक हरिकेश गुर्जर मुरैना जिले के ही जनकपुर गांव का रहने वाले थे और कुछ समय पूर्व ही तबादले के बाद मुरैना आए थे। मध्यप्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने इस घटना की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी और अपराधियों के हौसले चरम पर हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, मुरैना में रेत माफिया द्वारा वन विभाग की टीम पर हमला कर आरक्षक हरकेश गुर्जर को ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर देना न केवल भयावह है, बल्कि यह साबित करता है कि प्रदेश में अपराधियो में कानून का डर समाप्त हो चुका है।

जमीन हड़पने और अवैध रूप से बेचने के आरोप में रियल एस्टेट एजेंट गिरफ्तार

पालघर, (भाषा)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में 48 वर्षीय रियल एस्टेट एजेंट को दूसरे व्यक्ति की जमीन पर कथित तौर पर कब्जा करने और उसे अवैध रूप से बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी सुरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रंधा ने कथित तौर पर 2020 और 2025 के बीच राजावली गांव में शिकायतकर्ता से संबंधित 210 गुंठा (लगभग 5.25 एकड़) भूमि पर कब्जा कर लिया था। मीरा-भयंदर, वसई-विरार पुलिस की अपराध इकाई-4 के वरिष्ठ निरीक्षक प्रमोद बदख ने कहा, सिंह ने जमीन मालिक के साथ तय किए गए सौदे को पूरा किए बिना ही जमीन एक बिल्डर को बेच दी। उन्होंने कहा कि इसके बाद उस जमीन पर एक अवैध चॉल का निर्माण किया गया और सिंह ने वे चॉल बेच दीं, जिससे शिकायतकर्ता और खरीदारों दोनों को धोखा दिया गया। अधिकारी ने कहा, जब शिकायतकर्ता ने अपनी जमीन के लिए भुगतान की मांग करते हुए आरोपी से संपर्क किया, तो उसे गाली दी गई और जान से मारने की धमकी समेत गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। उन्होंने बताया कि सिंह के खिलाफ वालिव थाने में दो अप्रैल को भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत धोखाधड़ी, आपराधिक धमकी और मारपीट का मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि सिंह को 10 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि जांच में पता चला है कि आरोपी के खिलाफ कम से कम 11 मामले दर्ज हैं।

बम हमले को लेकर भड़की हिंसा के बाद स्थिति तनावपूर्ण लेकिन शांत

इंफाल, (भाषा)। मणिपुर के पांच घाटी जिलों में बुधवार को स्थिति तनावपूर्ण लेकिन शांत बनी हुई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।राज्य के बिष्णुपुर में एक दिन पहले हुए बम हमले के बाद हिंसा भड़क गई थी।अधिकारी ने बताया कि हिंसा के बाद से ही इंफाल ईस्ट और वेस्ट, बिष्णुपुर, थौबल और काकचिंग जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया, इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई और भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई जो अब तक जारी है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को तड़के मोइरांग ट्रोंग्लाओबी में संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा फेंका गया बम एक घर पर गिरा, जिससे घर में सो रहे पांच वर्षीय लड़के और छह महीने की बच्ची की मौत हो गई तथा उनकी मां घायल हो गईं। अधिकारी ने कहा, रात भर की झड़पों के बाद स्थिति नियंत्रण में है। आज सुबह किसी भी प्रकार की हिंसा की सूचना नहीं मिली है। कुल मिलाकर स्थिति शांत है। उन्होंने बताया कि मंगलवार देर रात इंफाल ईस्ट और वेस्ट जिलों के कुछ स्थानों पर सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं जिसके बाद पुलिस कर्मियों को प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। प्रदर्शनकारियों ने इंफाल पूर्वी जिले के खुर्द लामलॉन्ग और वांगखेई तथा इंफाल वेस्ट जिले के उरीपोक और क्वाकेथेल में सड़कों पर टायर जलाए और दो बच्चों की हत्या में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।इस विस्फोट के विरोध में प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शिविर पर हमला किया, जिसके बाद सुरक्षा बलों की गोलीबारी में दो लोग मारे गए जबकि 20 अन्य घायल हो गए।

'मुझे हंसते-हंसते विदा करना': पूर्व सैनिक ने देहदान कर पेश की मिसाल

चूरू (मोहम्मद अली पठान/ रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज में मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा एक अद्भुत और प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला। हनुमानगढ़ जिले के भादरा (वार्ड 21) निवासी 90 वर्षीय पूर्व सैनिक चंपालाल (सीएल) भाटी की अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए उनके परिजनों ने उनकी पार्थिव देह मेडिकल कॉलेज को दान कर दी। सबसे विशेष बात यह रही कि उनके पोते अभिषेक भाटी अपने दादा की इच्छा के अनुसार उनकी देह को चेहरे पर मुस्कान लिए लेकर पहुंचे, क्योंकि दादा ने कहा था— "मुझे हंसते-हंसते विदा करना, मेरी मौत के सफर पर दुख मत करना, इसे एंजॉय करना।" 2023मेंलियाथादेहदानकासंकल्प पूर्व सैनिक चंपालाल भाटी का निधन 8 अप्रैल को सुबह 8 बजे हुआ। उन्होंने वर्ष 2023 में ही देहदान का संकल्प लिया था। वे स्वयं मेडिकल क्षेत्र से जुड़े रहे थे, इसलिए चाहते थे कि मृत्यु के बाद भी उनका शरीर भावी डॉक्टरों के अध्ययन के काम आए। शाम को जब एम्बुलेंस उनकी पार्थिव देह लेकर कॉलेज पहुंची, तो मेडिकल स्टूडेंट्स ने फूलों की वर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया। तिरंगे में लिपटी देह को भावुक माहौल के बीच फीता काटकर कॉलेज में प्रवेश दिया गया। बाद में सम्मान के साथ तिरंगा परिजनों को सौंपा गया। चूरू मेडिकल कॉलेज को प्राप्त हुई पहली देह प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार ने बताया कि कॉलेज में अब तक करीब 50 लोग देहदान का संकल्प ले चुके हैं, लेकिन कॉलेज को प्राप्त होने वाली यह पहली देह है। इस अवसर पर अभिषेक के साथ उनके मित्र वसीम अकरम, अमन नोखवाल, मांगीलाल सुधार, उप प्राचार्य डॉ. रमाकांत वर्मा, डॉ. जेपी यादव, डेंटल प्रोफेसर डॉ. जितेन्द्र सोलंकी, वेदप्रकाश खीची, जगदीश, मकसूद और सिक्योरिटी इंचार्ज मदन सिंह शेखावत सहित कई लोग मौजूद रहे। बीएसएफ में भी सेवाएं दे चुके थे सीएल भाटी अभिषेक भाटी ने बताया कि उनके दादा ने 1964 में महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज में मेल नर्स ग्रेड प्रथम के रूप में करियर शुरू किया था। 1972 में वे श्रीगंगानगर पुलिस लाइन में रहे और इमरजेंसी के दौरान उन्हें BSF में नर्स प्रथम के पद पर भेजा गया, जहां उन्होंने बीकानेर और जोधपुर सहित कई स्थानों पर देश की सेवा की। 1993 में वे भादरा से रिटायर हुए थे। उनके परिवार में बेटा सुरेंद्र भाटी, तीन बेटियां (ममता, कुसुम, सोमा) और पोता अभिषेक व पोती रीसिका हैं। अपने इस फैसले से उन्होंने अपने 'सैन समाज' को भी देहदान के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया है।

उपखंडों में अटल जन सेवा शिविर आयोजित, 67 में से 25 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

चूरू (मोहम्मद अली पठान/रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में गुरुवार को जिले के सभी उपखंडों में 'अटल जन सेवा शिविर' (उपखंड स्तरीय जनसुनवाई) का आयोजन किया गया। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं और अभाव-अभियोगों का स्थानीय स्तर पर ही समाधान सुनिश्चित करना रहा। शिविरों में संबंधित उपखंड अधिकारियों ने उपस्थित रहकर जनता की परिवेदनाओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। विभिन्न उपखंडों में निस्तारण की स्थिति अटल जन सेवा शिविर के दौरान जिलेभर से कुल 67 परिवाद प्राप्त हुए, जिनमें से 25 का मौके पर ही निस्तारण कर ग्रामीणों को राहत प्रदान की गई। आंकड़ों के अनुसार: चूरू उपखंड: 14 में से 10 परिवादों का निस्तारण। बीदासर उपखंड: 14 में से 06 परिवादों का निस्तारण। रतनगढ़ उपखंड: 18 में से 05 परिवादों का निस्तारण। तारानगर व सरदारशहर: दोनों स्थानों पर 03-03 में से 02-02 परिवादों का निस्तारण हुआ। राजगढ़ व सुजानगढ़: राजगढ़ में 02 और सुजानगढ़ में 13 नए परिवाद प्राप्त हुए, जिन पर कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। अधिकारी रहे मुस्तैद जनसुनवाई के दौरान सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। साथ ही, चक्रीय क्रम से आवंटित ब्लॉकों में जिला स्तरीय अधिकारियों ने भी शिरकत कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रशासन की इस पहल से कई लंबित प्रकरणों का तत्काल समाधान हुआ, जिससे आमजन ने राहत की सांस ली।

मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में डीजे की धुन पर निकली रैली

चूरू/सातड़ा (मोहम्मद अली पठान/रॉयल पत्रिका)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सातड़ा और राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय सातड़ा के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक बोर्ड परीक्षा 2026 के साथ-साथ कक्षा 5वीं और 8वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान में पूरे गांव में गौरव रैली निकाली गई। डीजे की धुन पर नाचते-गाते छात्र-छात्राओं और स्टाफ सदस्यों की इस रैली का ग्रामीणों ने जगह-जगह स्वागत किया। सीमित समय में शिक्षकों और छात्रों की मेहनत लाई रंग सातड़ा के पीईईओ एवं प्राचार्य धर्मेन्द्र मुण्ड ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सत्र 2025-26 में बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को काफी कम समय मिला था। इसके बावजूद विद्वान शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत के चलते विद्यालय ने शानदार परीक्षा परिणाम हासिल किए हैं। 20 लाख की लागत से विकसित होंगी आधुनिक सुविधाएं प्राचार्य ने विद्यालय के विकास की भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस वर्ष 26 जनवरी को गांव के भामाशाहों द्वारा दी गई लगभग 20 लाख रुपये की राशि से विद्यालय भवन की मरम्मत और रंग-रोगन का कार्य जोर-शोर से चल रहा है। आगामी जुलाई 2026 तक विद्यालय को विशेष सुविधाओं से लैस किया जाएगा, जिसमें अत्याधुनिक पुस्तकालय, कृषि विज्ञान लैब, आर्ट गैलरी, वाटिका और किचन गार्डन शामिल हैं। साथ ही खिलाड़ियों के लिए बैडमिंटन और टेबल टेनिस की इंडोर खेल सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। कार्यक्रम में ये रहे मौजूद इस गरिमामयी आयोजन में प्राचार्य कल्पना कुमारी दईया, उपप्राचार्य दयानंद न्यौल, प्रधानाध्यापक सुमन शर्मा, सहित उषा वर्मा, मंजु सिहाग, आशा कंवर, सुनीता मोगा, गौरव दीक्षित, प्रांकुर आर्य, सुनीता मेहडा, सुनीता मांझु, संजय शर्मा, राकेश न्यौल, शर्मिला सहारण, अनिता रानी, रूकमा जी, कल्पना दईया, मनीषा जांगिड़, अल्का शर्मा, मनोज जी, लक्ष्मी कंवर, सोनू कस्वां, भुपेंद्र जोशी, जयसिंह झाझडिया, पुनम भाकर, कमोद, विजयलक्ष्मी, सोनु कुमारी और नरेश कुमार सहित दोनों विद्यालयों का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

चूरू: नगर परिषद में कम्पोस्ट पिट कार्यशाला आयोजित

चूरू (मोहम्मद अली पठान/रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद कार्यालय में अधिशाषी अधिकारी संजू चौधरी के सानिध्य में कम्पोस्ट पिट के माध्यम से खाद बनाने की प्रक्रिया पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में शहर के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं को कचरा प्रबंधन और उसके सदुपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। किचन वेस्ट से तैयार होगी उपयोगी खाद स्वच्छ भारत मिशन (SBM) के नोडल अधिकारी मुकेश कुमार ने विद्यार्थियों को बताया कि किस प्रकार घर से निकलने वाले 'किचन वेस्ट' को फेंकने के बजाय उससे कीमती और उपयोगी जैविक खाद तैयार की जा सकती है। इसी क्रम में कुन्दन सिंह ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता को अपनाकर न केवल हम निरोगी रह सकते हैं, बल्कि कचरे का सही निस्तारण कर शहर को साफ-सुथरा रखने में भी योगदान दे सकते हैं। छात्रावास और थानों में तैयार हुए कम्पोस्ट पिट कार्यशाला के सैद्धांतिक प्रशिक्षण के बाद व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। इसके तहत अम्बेडकर छात्रावास, पुलिस थाना और नगरपालिका परिसर में कम्पोस्ट पिट तैयार किए गए। एसबीएम इंजीनियर मोनिका ने तकनीकी जानकारी देते हुए बताया कि खाद बनाने के दौरान गड्ढे में निरंतर नमी बनाए रखना आवश्यक है, जिससे खाद शीघ्र तैयार हो सके। प्रशिक्षण से उत्साहित होकर विद्यालयों से आए बच्चों ने संकल्प लिया कि वे अपने घरों में भी किचन वेस्ट से कम्पोस्ट पिट बनाएंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर नगरपालिका के विभिन्न अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षक समायोजन बना असंतोष का कारण

चूरू (मोहम्मद अली पठान/रॉयल पत्रिका)। राजस्थान संस्कृत शिक्षा विभागीय शिक्षक संघ ने संस्कृत शिक्षा विभाग द्वारा हाल ही में जारी की गई 573 अधिशेष तृतीय श्रेणी शिक्षकों की समायोजन सूची पर गहरा असंतोष व्यक्त किया है। संघ का आरोप है कि नजदीकी विद्यालयों में पद रिक्त होने के बावजूद कई शिक्षकों को जानबूझकर दूरस्थ स्थानों पर भेज दिया गया है, जिससे शिक्षक वर्ग में भारी नाराजगी है। अभूतपूर्व निर्णय, लेकिन क्रियान्वयन में खामियां संगठन के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार सुन्डा ने बताया कि मुख्यमंत्री और संस्कृत शिक्षा मंत्री द्वारा छात्र हित में वर्षों बाद इतनी बड़ी संख्या में अधिशेष शिक्षकों के समायोजन का निर्णय लिया जाना निश्चित रूप से स्वागत योग्य और अभूतपूर्व कदम है। संगठन खुद भी लंबे समय से इन शिक्षकों के समाधान की मांग कर रहा था। लेकिन, विभाग द्वारा जारी सूची में कई विसंगतियां सामने आई हैं। पीड़ितशिक्षकोंकोराहतदेनेकीमांग सुन्डा ने आरोप लगाया कि समायोजन प्रक्रिया में नियमों और मानवीय दृष्टिकोण की अनदेखी की गई है। उन्होंने बताया कि स्वयं के या निकटतम विद्यालय में पद रिक्त होने के बावजूद पुरस्कृत शिक्षकों, स्काउट सचिवों, कैंसर पीड़ितों, दिव्यांगों, पूर्व सैनिकों और सेवानिवृत्ति के नजदीक पहुंच चुकी महिला शिक्षकों को भी काफी दूर पदस्थापित कर दिया गया है। संगठन ने सरकार से मांग की है कि इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए समायोजन सूची की पुनः समीक्षा करवाई जाए। साथ ही पीड़ित शिक्षकों से परिवेदनाएं (शिकायतें) आमंत्रित कर उन्हें यथाशीघ्र राहत प्रदान की जाए, ताकि वे मानसिक तनाव से मुक्त होकर शिक्षण कार्य कर सकें।

अमेरिका का होर्मुज से टोल वसूली का प्लान, उदय कोटक ने दी चेतावनी

नईदिल्ली, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक और नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर उदय कोटक ने मंगलवार को चेतावनी दी। उनके मुताबिक, दुनिया शायद बड़े भू-राजनीतिक बदलाव के दौर में एंट्री कर रही है। भारत को सही मायने में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए रिसर्च, इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग में और ज्यादा निवेश करना चाहिए। अमेरिका के होर्मुज स्ट्रेट से टोल वसूली के प्लान का जिक्र करते हुए कोटक ने इसे वैश्विक उपनिवेशवाद की वापसी करार दिया। उदय कोटक फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। दिग्गज बैंकर ने कहा कि मौजूदा वैश्विक स्थिति एक अहम सवाल खड़ा करती है कि क्या दुनिया सामान्य स्थिति में लौटेगी या इसमें और गहरे संरचनात्मक बदलाव होंगे। खासकर बढ़ते संघर्ष और बदलती भू-राजनीतिक शक्ति को देखते हुए। हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और डोनाल्ड ट्रंप के बयानों का जिक्र करते हुए कोटक ने कहा, 'हम एक ऐसे अहम मोड़ पर खड़े हैं जिसे मैं वैश्विक उपनिवेशवाद की वापसी कहता हूं।' कोटक ने कहा, 'ट्रंप ने दो बातें कहीं जिनसे साफ पता चलता है कि हम एक बिल्कुल अलग दुनिया में हैं। पहली... जो भी युद्ध जीतेगा, उसे ही उसका फायदा मिलेगा। और दूसरी... अगर होर्मुज स्ट्रेट पर हमारा कब्जा हो जाता है तो हम यानी अमेरिका उसका किराया वसूलेंगे।' शुरुआती दौर में ईस्ट इंडिया कंपनी पूरी तरह से एक व्यापारिक कंपनी थी। वह व्यापार करती थी और पैसे कमाती थी। फिर उनके पास बेहतर टेक्नोलॉजी आ गई – बंदूकें और बारूद – जिससे उन्हें बढ़त मिली। कोटक ने कहा कि इस तरह के घटनाक्रम उपनिवेशवादी विस्तार के ऐतिहासिक पैटर्न की याद दिलाते हैं। उन्होंने भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के उदय से इसकी तुलना की। उन्होंने कहा, 'शुरुआती दौर में ईस्ट इंडिया कंपनी पूरी तरह से एक व्यापारिक कंपनी थी। वह व्यापार करती थी और पैसे कमाती थी। फिर उनके पास बेहतर टेक्नोलॉजी आ गई – बंदूकें और बारूद – जिससे उन्हें बढ़त मिली।' कोटक ने आगे कहा, 'जल्द ही उस व्यापारी ने सोचा कि क्यों न मैं इलाके भी हथियाना शुरू कर दूं। इसी तरह आपने देखा कि वह व्यापारिक कंपनी भारत में ब्रिटिश साम्राज्य बन गई।'

ट्रंप के सीजफायर के ऐलान से कच्चे तेल में भारी गिरावट, 100 डॉलर के नीचे आया भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के सीजफायर पर सहमति बनने के बाद ग्लोबल ऑयल मार्केट में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इस समझौते के तहत स्ट्रेट ऑफ होर्मूज को फिर से खोलने की उम्मीद है, जिससे सप्लाई में रुकावटें कम होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। इसी उम्मीद में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से फिसलकर 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गई हैं। ब्लूमबर्ग के मुताबिक तेल कीमतों में आई गिरावट बेहद तेज रही। ब्रेंट क्रूड करीब 16 प्रतिशत तक टूटकर 92 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट में पिछले छह वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई और यह करीब 95 डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। ट्रंप ने कहा कि यह सीजफायर पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि ईरान होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलता है या नहीं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची के अनुसार, पाकिस्तान द्वारा पेश की गई युद्धविराम योजना को स्वीकार कर लिया गया है। अगले दो हफ्तों तक सुरक्षित समुद्री मार्ग सुनिश्चित किया जाएगा। वही, व्हाइट हाउस के अधिकारियों के मुताबिक इजरायल ने भी इस प्रस्ताव पर सहमति जताई है, जिससे वैश्विक बाजारों को राहत मिली है। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल और स्फल का करीब 20 प्रतिशत गुजरता है। इसके बंद होने से ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल मच गई थी हालांकि, कीमतों में गिरावट के बावजूद फरवरी के बाद से अब भी करीब 50 प्रतिशत ऊपर बना हुआ है, जो यह दिखाता है कि संकट पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। एक्सपर्ट रॉबर्ट रेनी के अनुसार, 'तेल सप्लाई तुरंत सामान्य नहीं होगी। बंद कुओं को फिर से शुरू करने, जहाजों की तैनाती और स्टॉक भरने में महीनों लग सकते हैं।'

ज्वेलरी और गोल्ड कॉइन ने 46 प्रतिशत मुनाफा बढ़ाया

क्यू-4 में टाइटन का जलवा!

अभी भी कमाई का मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की दिग्गज कंपनी टाइटन कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए निवेशकों को चौंका दिया है। कंपनी के कंज्यूमर बिजनेस में साल-दर-साल 46 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसमें सबसे बड़ा योगदान ज्वेलरी सेगमेंट का रहा। खास बात यह है कि सोने की कीमतों में तेजी के बावजूद कंपनी की ज्वेलरी बिक्री में 46 प्रतिशत की ग्रोथ देखी गई, जो इसकी मजबूत ब्रांड वैल्यू और ग्राहक भरोसे को दिखाता है।

गोल्ड कॉइन की डिमांड में जबरदस्त उछाल

टाइटन के ज्वेलरी कारोबार में खासतौर पर गोल्ड कॉइन की डिमांड में जबरदस्त उछाल देखने को मिला, जहां बिक्री लगभग तीन गुना तक बढ़ गई। इसके अलावा कंपनी ने लाइक-टू-लाइक ग्रोथ में भी करीब 48 प्रतिशत की बढ़त हासिल की, जो दर्शाता है कि मौजूदा स्टोर्स पर भी ग्राहक संख्या और बिक्री दोनों बढ़ी है। महंगे सोने के बावजूद ग्राहकों की दिलचस्पी कम नहीं हुई, जो इस सेगमेंट की मजबूती को दिखाता है। हालांकि, कंपनी के वॉच और वियरेबल्स सेगमेंट में मिला-जुला प्रदर्शन रहा। जहां एनालॉग घड़ियों की बिक्री में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं स्मार्टवॉच कैटेगरी में 53 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। इसका कारण बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और बदलते कंज्यूमर ट्रेंड माने जा रहे हैं। वहीं, आईकेयर बिजनेस

ने 16 प्रतिशत की स्थिर ग्रोथ दिखाई, जबकि उभरते बिजनेस जैसे फ्रेगरेंस और महिलाओं के बैग सेगमेंट में क्रमशः 30 प्रतिशत और 47 प्रतिशत की तेज बढ़त देखने को मिली।

टाइटन का कुल रिटेल नेटवर्क

इंटरनेशनल मार्केट में भी टाइटन कंपनी ने शानदार प्रदर्शन किया, जहां 156 प्रतिशत की रिकॉर्ड ग्रोथ दर्ज की गई। इसका मुख्य कारण ज्वेलरी ब्रांड (दुबई का सबसे फेमस ज्वैलरी ब्रांड) का नेटवर्क जोड़ना रहा, जिससे कंपनी के स्टोर्स की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ। मार्च 2026 तक टाइटन का कुल रिटेल नेटवर्क 3,603 स्टोर्स तक पहुंच गया है, जो इसकी वैश्विक मौजूदगी को दर्शाता है। हालांकि, कंपनी ने यह भी माना कि वेस्ट एशिया में तनाव के कारण कुछ बाधाएं आईं, खासकर क्षेत्र में काफी समस्या आई। इसके बावजूद कुल मिलाकर टाइटन का प्रदर्शन मजबूत रहा है। यह नतीजे दिखाते हैं कि कंपनी ने न सिर्फ घरेलू बाजार में पकड़ मजबूत की है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तेजी से विस्तार किया है। निवेशकों के लिए यह संकेत है कि टाइटन अभी भी ग्रोथ के मजबूत रास्ते पर है।

दुबई का सबसे फेमस ज्वैलरी ब्रांड दमस

आपको बता दें कि पिछले साल टाइटन ने खाड़ी देश के फेमस ज्वैलरी ब्रांड दमस में 67 फीसदी हिस्सा खरीदने के लिए अहम समझौता किया था। टाटा ग्रुप की कंपनी ने इसको 2438 करोड़ रुपये में खरीदा था। दमस करीब 121 साल पुराना ब्रांड है। दमास ज्वैलरी का 6 खाड़ी सहयोग परिषद देशों में 146 स्टोर्स का नेटवर्क है।

यूपीआई से बैलेंस ट्रांसफर की सुविधा नौकरी जाने पर तुरंत निकाल पाएंगे 75 प्रतिशत पैसा

नईदिल्ली, एजेंसी। एम्पलाई प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन बड़े बदलाव की तैयारी में है। ईपीएफओ 3.0 के जरिए नया फ्रेमवर्क तैयार किया जा रहा है। इसे लागू होने के बाद सदस्य के जरिए आसानी से पैसा निकाल पाएंगे। नए फ्रेमवर्क के अनुसार सदस्यों को कोई ऑनलाइन पेपर जमा करने या ऑफिस जाने की भी जरूरत नहीं होगी। नए नियमों के जरिए अपने सदस्यों को और सुविधा देना चाता है। जिसकी वजह उनकी मेहनत की बचत का उपयोग वो जरूरी समय पर कर पाएं। सरकार ने 3.0 के फ्रेमवर्क पर कई नए अपडेट साझा कर दिए हैं। हालांकि, यूपीआई को लेकर अभी तक कोई भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन एक बार अगर यह नियम लागू हो जाता है तब की स्थिति में सब्सक्राइबर्स आसानी से यूपीआई पैसा निकाल पाएंगे। बता दें, एचडीएफसी बैंक की वेबसाइट के अनुसार नए श्वक्त्रह नियमों के तहत सब्सक्राइबर्स अपना और नियोक्ता के योगदान का 100 प्रतिशत पैसा निकाल पाएंगे।

पहले सब्सक्राइबर्स को पैसा निकालने के लिए 13 अलग-अलग प्रोविजन बने थे। जिसे सरल करते हुए तीन कर कर दिया गया है। विशेष परिस्थिति, घर के लिए और जरूरी कोई आवश्यकता पड़ने पर पैसा निकाला जा सकता है। बता दें, पढ़ाई, शादी और गंभीर बिमारी के लिए पैसा आसानी से निकाल पाएंगे। पढ़ाने के लिए 10 गुना, शादी के लिए 5 गुना तक पैसा निकाला जा सकता है।

कोई प्रकृति संकट या फिर वित्तीय समस्या को विशेष परिस्थिति के तौर पर माना जाएगा। इस नियम में 12 महीने की सर्विस के बाद आंशिक निकासी हो सकती है। विशेष परिस्थिति के लिए निकाला गए पैसों के लिए कोई अतिरिक्त जवाबदेही नहीं होगी। पहले कर्मचारी के 50 प्रतिशत योगदान और ब्याज 100 प्रतिशत निकाला जा सकता था। लेकिन अब नियोक्ता के योगदान और ब्याज को भी निकाला जा सकता है। यानी पूर्व की तुलना में अब ज्यादा पैसा सब्सक्राइबर्स निकाल पाएंगे। ईपीएफ निकासी की सीमा कारणों पर निर्भर करेगी। सब्सक्राइबर्स अब 75 प्रतिशत तक पैसा किसी भी समय निकाल पाएंगे। यह बदलाव सदस्यों को और राहत देने के लिए किया जा रहा है। नौकरी खोने की स्थिति में अब तुरंत 75 प्रतिशत पैसा सब्सक्राइबर्स निकाल पाएंगे। बाकि बचे 25 प्रतिशत पैसे को 12 महीने तक बेरोजगार रहने की स्थिति में निकाला जा सकेगा। पहले सिर्फ आंशिक निकासी ही संभव थी।

रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची तेल की कीमतें

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में तेल की कीमतों ने एक नया रिकॉर्ड बना लिया है, जिसने वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जेब दोनों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में कच्चे तेल का प्रमुख बेंचमार्क डेटेड ब्रेंट 144.42 डॉलर प्रति बैरल के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया। यह तेजी किसी सामान्य बाजार उतार-चढ़ाव का परिणाम नहीं, बल्कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर है, खासतौर पर ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण दुनियाभर में तेल की कीमतों ने एक नया रिकॉर्ड बना लिया है। दरअसल, दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल की सप्लाई स्टेट ऑफ होर्मुज के जरिए होती है। यह एक बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, जहां से कच्चा तेल विभिन्न देशों तक पहुंचता है। लेकिन, ईरान से जुड़े युद्ध जैसे हालातों ने इस रास्ते को प्रभावित कर दिया है, जिससे सप्लाई में भारी कमी आ गई है। जब सप्लाई घटती है और मांग बनी रहती है या बढ़ती है, तो कीमतों में उछाल आना तय है और अभी यही हो रहा है। तेल की इस कमी के चलते दुनिया भर की रिफाइनरी कंपनियां तेजी से कच्चा तेल खरीदने की कोशिश कर रही हैं। इससे बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है और कीमतें और ऊपर जा रही हैं। इतना ही नहीं, कच्चे तेल से बनने वाले पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधन की सप्लाई पर भी असर पड़ रहा है, जिससे इनके दाम बढ़ने की संभावना और मजबूत हो गई है। इस स्थिति का असर केवल तेल कंपनियों तक

सीमित नहीं है। भारत जैसे देशों के लिए यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। भारत बड़ी मात्रा में खाड़ी देशों से तेल आयात करता है। महंगा तेल सीधे तौर पर महंगाई बढ़ाता है। इससे ट्रांसपोर्ट का खर्च भी बढ़ जाता है, जिससे खाने-पीने की चीजों से लेकर रोजमर्रा के सामान तक सब कुछ महंगा हो सकता है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, विशेषज्ञों का मानना है कि अगर स्टेट ऑफ होर्मुज में स्थिति जल्द सामान्य नहीं हुई, तो तेल की कीमतें और भी ऊंचाई छू सकती हैं। ऐसे में सरकारों को ईंधन पर टैक्स में कटौती या अन्य राहत उपायों पर विचार करना पड़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतों में यह रिकॉर्ड तेजी सिर्फ एक आर्थिक खबर नहीं, बल्कि वैश्विक अस्थिरता का संकेत है, जिसका असर हर आम आदमी की जिंदगी पर पड़ सकता है।

सरकारी कॉन्ट्रैक्ट छोड़ किया ऐसा काम कि बरसी दौलत और हुआ नाम, इंजीनियरिंग वाला दिमाग लगा दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। यह कहानी पोन्नेरु मुरुगनंदम की है। वह तमिलनाडु के सलेम से हैं। उन्होंने आधुनिक खेती में हाइब्रिड बीजों और रसायनों के बढ़ते बोलबाले को तोड़ने का काम किया है। कभी वह एक सफल सरकारी सिविल कॉन्ट्रैक्टर थे। उन्होंने भ्रष्टाचार और व्यवस्था की खामियों से तंग आकर 15 साल पहले कंस्ट्रक्शन की दुनिया को अलविदा कह दिया। अपनी जड़ों यानी खेती की ओर लौट आए। आज वह 'ग्रॉसरी सीड बैंक' के जरिये 150 से अधिक देसी बीजों की किस्मों का संरक्षण कर रहे हैं। सब्जी, फल, दूध और सस्ते देसी बीज सीधे ग्राहकों को बेचकर वह हर साल 12 लाख रुपये कमाते हैं। उन्होंने साबित किया है कि खेती को एक प्रॉफिटेबल बिजनेस बनाया जा सकता है। आइए, यहां पोन्नेरु मुरुगनंदम की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। मुरुगनंदम ने 1987 में सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया। इसके बाद करीब 15 साल तक सड़क, पुल और रेलवे जैसे बड़े सरकारी प्रोजेक्ट्स पर काम किया। करोड़ों के टेंडर संभालने के बावजूद व्यवस्था में कमीशनखोरी और राजनीतिक हस्तक्षेप ने उनका मन खिन्न कर दिया। आखिरकार 2004 में उन्होंने कॉन्ट्रैक्टिंग का काम बंद कर दिया। सलेम के पास दो एकड़ जमीन खरीदकर खेती शुरू की। उनके पूर्वज दशकों से रसायन मुक्त खेती कर रहे थे। मुरुगनंदम ने उसी पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ाया। स्वदेशी बीजों के संरक्षण को अपना मुख्य उद्देश्य बनाया। मुरुगनंदम की खेती का मॉडल पूरी तरह से प्रकृति के करीब है। उन्होंने अपनी जमीन को तीन हिस्सों में बांटा है। इसमें एक हिस्से को वह हमेशा खाली छोड़ते हैं। इसका मकसद यह होता है कि हरी खाद के जरिए मिट्टी की

उर्वरता प्राकृतिक रूप से बनी रहे। वह बाजार से खाद खरीदने के बजाय खुद केले, कद्दू और पपीते के कचरे को फर्मेंट करके माइक्रो-ऑर्गेनिज्म और पंचगव्य तैयार करते हैं। ड्रिप इरिगेशन और मल्चिंग जैसी तकनीकों के चलते उन्हें खेत में दिन भर में महज 3 घंटे काम करना पड़ता है। इससे श्रम और लागत दोनों की भारी बचत होती है। पोन्नेरु मुरुगनंदम के फार्म पर आज बीजों का बड़ा कलेक्शन है। इसमें कद्दू कैटेगरी सब्जियों की 40 किस्में, बैंगन की 15 और टमाटर की 10 से 15 किस्में (जैसे ब्लैक टोमैटो) शामिल हैं। इसके अलावा वह 25 तरह का साग, बैंगनी भिंडी और 3-फीट लंबे सहजन भी उगाते हैं। उनका फोकस सिर्फ सब्जियां बेचने पर नहीं है। इसके बजाय वह बीजों के प्रसार पर भी ध्यान देते हैं। वह देश भर के कृषि मेलों में जाकर किसानों को सिर्फ 30 रुपये में बीज के पैकेट उपलब्ध कराते हैं। कई बार गरीब किसानों को ये बीज मुफ्त में भी देते हैं। मुरुगनंदम ने अपने कारोबार में बिचौलियों को बीच से हटाया है। वह सीधे उपभोक्ताओं को सब्जियां, फल, दूध और बीज बेचते हैं। ऐसा करके वह सालाना 12 लाख रुपये कमा लेते हैं। अभी उनके पास 150 किस्म के देसी बीज हैं। इसे वह जल्द ही बढ़ाकर 250 करना चाहते हैं। हाल ही में मलेशिया की यात्रा के बाद अब वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बीज निर्यात करने के लिए जरूरी सर्टिफिकेशन हासिल करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

क्रूड ऑयल के गिरते ही रॉकेट बने आरआईएल, एचपीसीएल समेत कई स्टॉक्स

नईदिल्ली, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट ने भारतीय ऑयल कंपनियों के शेयरों में बड़ा उतार-चढ़ाव पैदा कर दिया है। हाल ही में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ दो हफ्ते के सीजफायर की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में करीब 15-17 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई। इसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार में ऑयल सेक्टर पर पड़ा, जहां कुछ कंपनियों के शेयर उछल गए तो कुछ में गिरावट देखने को मिली। आइए इसको जरा विस्तार से समझते हैं। तेल की कीमतों में गिरावट का सबसे ज्यादा फायदा डाउनस्ट्रीम कंपनियों को हुआ। इन कंपनियों का काम कच्चे तेल को रिफाइन करके पेट्रोल-डीजल बनाना होता है। जब कच्चा तेल सस्ता होता है, तो इनकी लागत घटती है और मुनाफा बढ़ता है। यही वजह है कि इनके शेयरों में

6 प्रतिशत से 9 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई। वही रिलायंस के शेयरों में भी बढ़त दर्ज हुई, क्योंकि इसका रिफाइनिंग बिजनेस भी इस ट्रेंड से फायदा उठाता है। दूसरी ओर अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए यह गिरावट नुकसानदायक साबित हुई। ऑयल और नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन और ऑयल इंडिया जैसी कंपनियों के शेयर 8 अप्रैल 2026 को 3.43 प्रतिशत तक गिर गए। ये कंपनियां सीधे कच्चे तेल का उत्पादन करती हैं, इसलिए तेल की कीमत गिरने से उनकी कमाई पर असर पड़ता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कच्चे तेल में हर 1 डॉलर की गिरावट से के राजस्व पर 300-400 करोड़ रुपये का असर पड़ सकता है। इस पूरे घटनाक्रम की जड़ स्ट्रेट ऑफ हॉर्मोज है, जो दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल सप्लाई का प्रमुख मार्ग है। इस क्षेत्र में तनाव कम होने से सप्लाई को लेकर डर घटा और कीमतें तेजी से नीचे आ गईं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि तेल की कीमतें अभी भी अस्थिर रह सकती हैं। अगर मिडिल ईस्ट में फिर से तनाव बढ़ता है, तो कीमतें दोबारा उछल सकती हैं। कुछ ब्रोकरेज फर्म्स का अनुमान है कि आने वाले समय में कच्चा तेल 85-90 डॉलर प्रति बैरल के बीच हो सकता है। आपको बता दें कि ईरान के प्रमुख ऊर्जा निर्यात केंद्र खारग द्वीप पर अमेरिकी हमलों की खबरों के बाद मंगलवार को कीमत 116.9 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी।

अदाणी की अमेरिकी अदालत से एसईसी धोखाधड़ी मामले को खारिज करने की अपील

न्यूयॉर्क, एजेंसी। उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी ने अमेरिकी अदालत से प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) की तरफ से दायर प्रतिभूति धोखाधड़ी मुकदमे को खारिज करने का अनुरोध किया है।अदाणी परिवार के वकीलों की तरफ से दलील दी गई है कि यह मामला अमेरिकी क्षेत्राधिकार से बाहर है और इसमें किसी भी तरह का गलत कार्य सिद्ध नहीं होता है। वकीलों ने आवेदन करने से पहले अमेरिकी अदालत को भेजे गए पत्र में कहा है कि 2021 में अदाणी समूह की नवीकरणीय ऊर्जा इकाई अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) द्वारा जारी 7.5 करोड़ डॉलर के बॉन्ड बिक्री के संदर्भ में एसईसी के दावे कई कानूनी आधारों पर दोषपूर्ण हैं।यह मुकदमा नवंबर, 2024 में दायर किया गया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि एजीईएल की तरफ से जारी बॉन्ड के निवेशकों को कथित तौर पर रिश्वत देने की योजना से अवगत नहीं कराया गया था।अदाणी पक्ष ने अदालत को बताया कि न तो गौतम अदाणी और न ही सागर अदाणी का अमेरिका के साथ पर्याप्त संपर्क था और न ही वे बॉन्ड पेशकश में प्रत्यक्ष रूप से शामिल थे। 2024 में यह पूरी तरह चुकता हो गया।वकीलों ने ईएसजी, भ्रष्टाचार-रोधी, और कॉरपोरेट प्रतिष्ठा के बारे में अमेरिकी बाजार नियामक के बयानों को केवल सामान्य कॉरपोरेट प्रचार बताते हुए कहा कि इन पर निवेशक भरोसा नहीं कर सकते।

बैंक आईडीबीआई बैंक डील पर बड़ा अपडेट, सरकार के इस कदम से होगा निवेशकों का फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार की विनिवेश योजना के तहत बैंक की बिक्री एक बार फिर चर्चा में आ गई है। ताजा खबरों के मुताबिक, सरकार अब संभावित खरीदारों से संशोधित वित्तीय बोलियां मांग सकती है, क्योंकि पहले दिए गए ऑफर तय रिजर्व प्राइस से कम थे। आसान शब्दों में कहें तो सरकार को उम्मीद के मुताबिक कीमत नहीं मिली, जिसके चलते यह प्रक्रिया थोड़ी अटक गई थी। आइए इसको जरा विस्तार से समझते हैं। दरअसल, सरकार और मिलकर बैंक में अपनी कुल 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रहे हैं। वर्तमान में दोनों के पास मिलाकर करीब 94.71 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिसमें सरकार की हिस्सेदारी 45.48 प्रतिशत और की 49.24 प्रतिशत है। इस बिक्री के जरिए सरकार अपने राजस्व को

बढ़ाना चाहती है, खासकर ऐसे समय में जब वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता बढ़ रही है।

इस डील में दिलचस्पी दिखाने वाले प्रमुख नामों में फेयरफैक्स फाइनेंशियल और एमिरेट्स शामिल हैं। इन दोनों ने फाइनेंशियल बिड्स तो जमा कर दी थीं, लेकिन ये बोली सरकार द्वारा तय न्यूनतम कीमत से कम पाई गईं। इसी वजह से अब सरकार इन कंपनियों से दोबारा बेहतर ऑफर देने को कह सकती है, ताकि डील को आगे बढ़ाया जा सके।

आपको बता दें कि यह पूरी प्रक्रिया पिछले तीन साल से चल रही है और अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। सरकार इस प्रक्रिया को फिर से शुरू नहीं करना चाहती, क्योंकि इससे और देरी हो सकती है। इसलिए संशोधित बोली मंगवाना एक व्यावहारिक विकल्प माना जा रहा है।

सरकार के लिए यह डील इसलिए भी अहम है, क्योंकि वह विनिवेश और एसेट मोनेटाइजेशन के जरिए पैसा जुटाकर अर्थव्यवस्था को मजबूत करना चाहती है। अगर यह सौदा सफल होता है, तो यह भारत के बैंकिंग सेक्टर में एक बड़ा बदलाव साबित हो सकता है, जहां एक सरकारी बैंक निजी हाथों में जाएगा। इसके शेयर परफॉर्मेंस की बात करें तो 7 अप्रैल 2026 को इसके शेयर में हल्की गिरावट देखने को मिली। ये स्टॉक 0.77 प्रतिशत फिसलकर 69.52 पर पहुंच गया कमजोर सेंटीमेंट के बीच स्टॉक में सीमित दबाव देखने को मिल रहा है, जिससे निवेशक अभी सतर्क नजर आ रहे हैं। यह डील निवेशकों के लिए हाई रिस्क, हाई रिवॉर्ड जैसी स्थिति बना सकती है। शॉर्ट टर्म में उतार-चढ़ाव संभव है, लेकिन अगर प्राइवेटाइजेशन सफल रहता है, तो लंबी अवधि में यह स्टॉक बेहतर रिटर्न दे सकता है।

अब फोनपे एसबीआई कार्ड पाएँ जीरो जॉइनिंग फीस पर; सभी ऑनलाइन खर्चों पर मिलेंगें 5 प्रतिशत रिवार्ड्स

भोपाल, एजेंसी। फोनपे ने हाल ही में लॉन्च किए गए फोनपे एसबीआई कार्ड क्रेडिट कार्ड पर, एक शानदार लिमिटेड टाइम ऑफर की घोषणा की है। प्रीमियम फाइनेंशियल रिवार्ड्स का लाभ सभी को मिल सके, इसके लिए, यह कार्ड अब पहले साल के लिए जीरो जॉइनिंग फीस के साथ पूरी तरह से फ्री है। मॉडर्न डिजिटल कस्टमर के लिए डिज़ाइन किया गया यह कार्ड, (जो रूपे और वीसा दोनों प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है) ऑनलाइन शॉपिंग को खास बनाता है और हर ऑनलाइन शॉपिंग पर रिवार्ड्स कमाने का मौका देता है। इसमें कार्डहोल्डर्स को क्या-क्या मिलेगा- जीरो जॉइनिंग फीस- पहले साल में यूजर्स, बिना कोई फीस दिए कार्ड के प्रीमियम लाभों

PhonePe

का आनंद उठा सकते हैं। सभी ऑनलाइन ब्रांड्स पर 5 प्रतिशत रिवार्ड्स- एक यूनिवर्सल रिवार्ड स्ट्रक्चर जो हर डिजिटल चेकआउट पर रिवार्ड्स सुनिश्चित करता है, चाहे मर्चेंट कोई भी हो। सिलेंडर बुकिंग, मोबाइल रिचार्ज और बिल पेमेंट्स पर शानदार सेविंग्स करें। फोनपे प्लेटफॉर्म पर इंश्योरेंस प्रीमियम का पेमेंट करने पर भी आकर्षक रिवार्ड्स पाएँ। रूपे स्कैन करें और पेमेंट करें पर 1 प्रतिशत रिवार्ड्स- हर क्यूआर स्कैन पर 1 प्रतिशत रिवार्ड्स मिलते हैं जो आपके सामान्य यूपीआई खर्चों को भी फायदेमंद बनाता है। हर क्यूआर स्कैन पर 1 प्रतिशत रिवार्ड्स मिलते हैं जो आपके सामान्य यूपीआई खर्चों को भी फायदेमंद बनाता है। डोमेस्टिक एयरपोर्ट लाउंज में कॉम्प्लिमेंट्री एक्सेस (हर साल 4 एक्सेस वो भी बिना किसी खर्च लिमिट के) और इंटरनेशनल लाउंज के लिए 2 साल की प्रायोरिटी पास मेंबरशिप भी मिलती है। जिससे आपका ट्रैवेल एक्सपीरियंस को प्रीमियम बनता है। यूजर्स एसबीआई कार्ड पर कमाए गए रिवॉर्ड पॉइंट्स का उपयोग, क्रेडिट कार्ड बिल को कम करने के लिए कर सकते हैं।

जाह्नवी कपूर

मां श्रीदेवी के निधन से टूट गई थीं

संघर्षों को याद कर छलका दर्द

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने हाल ही में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा एक भावुक किस्सा शेयर किया है। उन्होंने अपनी दिवंगत मां श्रीदेवी को लेकर खुलकर बात की और बताया कि उनके निधन का दर्द आज भी उनके दिल में उतना ही ताजा है। समय जरूर बीत गया है, लेकिन मां को खोने का जो खालीपन है, वो आज भी उन्हें अंदर से तोड़ देता है। इस घटना ने उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल दी। जाह्नवी ने बताया कि मां के जाने के बाद उन्हें अचानक से बड़ा होना पड़ा। पहले वो हर फैसले के लिए अपनी मां पर डिपेंड रहती थीं, क्या पहनना है, क्या सही है, क्या गलत, सब कुछ मां ही डिसाइड करती थी। लेकिन उनके जाने के बाद उन्हें ये सब खुद देखना पड़ा और उस समय लोग उनके परिवार को लेकर तरह-तरह की बातें कर रहे थे। उस मुश्किल समय में उन्होंने कुछ गलत फैसले लिए और कुछ ऐसे लोगों को अपनी जिंदगी में जगह दे दी, जिन्होंने उनका फायदा उठाया। जाह्नवी ने आगे कहा कि मां के जाने के साथ उन्हें ऐसा लगा जैसे उन्होंने सिर्फ एक नहीं, बल्कि अपने पिता बोनी कपूर को भी खो दिया, क्योंकि मां के साथ उनका जो बिहेवियर था, वो भी बदल गया। वो उनकी हंसी, उनकी बातें और उनका साथ बहुत मिस करती हैं। अगर आज उन्हें मां से कुछ कहना हो, तो वह बस यही कहेंगी कि अब वो उन्हें समझती हैं और इस बात का अफसोस है कि पहले ऐसा नहीं कर पाई। इसके अलावा उन्होंने अपनी मां के संघर्षों को याद कर बताया कि जब वो अपने करियर के शुरुआती दौर में थी, तब लोगों ने उनके साथ अच्छा बिहेव नहीं किया। उन्हें 'होमब्रेकर' तक कहा गया, जिससे उन्हें बहुत दुख हुआ था। उनकी मां ने बहुत छोटी उम्र से काम करना शुरू कर दिया था, लेकिन उन्होंने कभी अपने बच्चों के साथ अपने बुरे वक्त के बारे में शेयर नहीं किया। बता दें कि बोनी कपूर पहले मोना कपूर से शादीशुदा थे, जिनसे उनके दो बच्चे अर्जुन कपूर और अंशुला कपूर हैं। बाद में उन्होंने श्रीदेवी से शादी की, जिनसे जाह्नवी और खुशी कपूर हैं।

प्रणाली राठौड़

खतरों के खिलाड़ी 15 में नजर आएंगी

ये रिश्ता क्या कहलाता है में अक्षरा की भूमिका निभाकर पॉपुलैरिटी हासिल करने वाली प्रणाली राठौड़ किसी पहचान की मोहताज नहीं है। एक बार फिर से एक्ट्रेस अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर सुर्खियों में हैं। कलर्स चैनल का पॉपुलर रिएलिटी शो खतरों के खिलाड़ी एक बार फिर से नए सीजन के संग टीवी पर वापसी के लिए बिल्कुल तैयार है। इस शो के नए सीजन को भी रोहित शेट्टी ही होस्ट करने वाले हैं। 2025 में शो का टेलीकास्ट नहीं हुआ था, लेकिन इस साल नए सीजन के संग ये रिएलिटी शो वापसी के लिए तैयार है। कुछ वक्त पहले ही मेकर्स ने नए सीजन की घोषणा की थी. अब धीरे-धीरे शो में पार्टिसिपेट करने वाले कंटेस्टेंट्स को लेकर भी चर्चाएं तेज हो चुकी हैं। फैंस ये जानने के लिए काफी बेताब हैं कि इस सीजन में कौन-कौन से कलाकार नजर आएंगे। लेटेस्ट अपडेट के अनुसार ये रिश्ता क्या कहलाता है फेम प्रणाली राठौड़ का नाम सामने आया है। ये रिश्ता क्या कहलाता है में प्रणाली को अक्षरा के कैरेक्टर में काफी पसंद किया गया था। इतना ही नहीं हर्षद चोपड़ा के संग उनकी जोड़ी ने छोटे पर्दे पर आग लगा दी थी। प्रणाली ने अपने करियर की शुरुआत प्यार पहली बार से की थी। अगर अब प्रणाली इस शो का हिस्सा बनती हैं तो उन्हें संस्कारी बहू का चोला छोड़ अब खतरनाक स्टंट करना पड़ेगा। प्रणाली राठौर के अलावा खबरें हैं कि फरहाना भट्ट, अंकित गुप्ता और ईशा मालवीय जैसे कलाकार भी इस शो का हिस्सा बन सकते हैं।

धुरंधर से सबकी जली, जाकिर का बयान सुनकर अमीषा पटेल बोलीं- नेगेटिविटी फैलाना बंद करो

कॉमेडियन जाकिर खान हाल ही में एक अवॉर्ड शो में अपने बयान को लेकर विवादों में आ गए. उन्होंने कहा कि फिल्म 'धुरंधर' की सफलता से बॉलीवुड में कई लोग जल रहे हैं। उनका ये बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। हालांकि जाकिर का ऐसा कहना बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल को रास नहीं आया। उन्होंने एक पोस्ट को शेयर करते हुए जवाब दिया है. और नफरत न फैलाने की बात कही है। अमीषा ने लिखा- दोस्त, नेगेटिविटी फैलाना बंद करो। फिल्म इंडस्ट्री ने हमेशा टैलेंट की कद्र की है और 'धुरंधर' जैसी फिल्मों को सम्मान दिया है। शाहरुख खान, सलमान खान, सनी देओल, ऋतिक रोशन और अजय देवगन जैसे सुपरस्टार्स ने सिर्फ एक-दो नहीं, बल्कि 25 से ज्यादा मेगा हिट फिल्में दी हैं और आगे भी देते रहेंगे। अमीषा ने आगे लिखा- थोड़ा शांत रहो... 'गदर' जैसी सफलता तो इंडस्ट्री सालों से हासिल करती आ रही है और आगे भी करती रहेगी।

तुंबाड 2 का बड़ा धमाका

रोमांचक मोशन पोस्टर के साथ फिल्म की शूटिंग का हुआ आगाज़

'तुंबाड' के साथ सोहम शाह ने सिनेमा की एक ऐसी मास्टरपीस बनाई जिसने धीरे-धीरे अपनी एक कल्ट पहचान बना ली, और आज इसे हिंदी लोककथाओं पर आधारित बेहतरीन फैंटेसी फिल्मों में से एक माना जाता है। 2024 में इसके दोबारा रिलीज होने ने इसकी विरासत को और बढ़ा दिया, जिससे यह भारत की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली री-रिलीज फिल्म बन गई। तभी से 'तुंबाड 2' को लेकर एक्साइटमेंट आसमान छू रही है, और सोहम शाह की अनाउंसमेंट ने आगे आने वाली चीजों को लेकर दिलचस्पी और गहरी कर दी है। इसी बीच, मेकर्स ने शूटिंग शुरू होने की घोषणा करते हुए एक दिलचस्प मोशन पोस्टर जारी किया है। जैसे ही मेकर्स ने मुहूर्त शॉट के साथ शूटिंग शुरू होने का ऐलान किया। 'पूर्ति की देवी' की मूर्ति वाले इस मोशन पोस्टर के साथ 'तुंबाड 2' की शुरुआत हो गई है। जो बात जिज्ञासा को वाकई बढ़ा देती है, वो है इसकी लाइन 'प्रलय आएगा', जिसने हम सबको यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या कुछ बहुत बड़ा होने वाला है। बहुप्रतीक्षित 'तुंबाड 2' की रिलीज के लिए एक्साइटमेंट को और ज्यादा बढ़ा दिया है। जहाँ मुहूर्त पूजा ने फिल्म के लिए उम्मीदें पहले ही बहुत बढ़ा दी हैं, वहीं अब मेकर्स ने फिल्म का मोशन पोस्टर जारी कर दिया है, जिसने दर्शकों की धड़कनें तेज कर दी हैं क्योंकि एक्साइटमेंट अब एक अलग ही लेवल पर पहुँच गई है। तुंबाड 2 को आदेश प्रसाद डायरेक्ट कर रहे हैं और इसके लीड एक्टर और प्रोड्यूसर सोहम शाह हैं, जो इसे अपने बैनर 'सोहम शाह फिल्म्स' के अंडर बना रहे हैं। इसमें पेन स्टूडियोज़ भी साथ है, जिसके हेड दिग्गज प्रोड्यूसर डॉ. जयंतीलाल गडा हैं वही जिन्होंने RRR और गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। फिल्म का डिस्ट्रीब्यूशन पेन मरुधर के जरिए किया जाएगा।

'मंगल मुखी' पहचान, हिम्मत और इंसाफ के सफर को दिखाती है

नमिष तनेजा

लोकप्रिय अभिनेता नमिष तनेजा आगामी वेब सीरीज 'मंगल मुखी' में नजर आएंगे। यह सीरीज ट्रांसजेंडर समुदाय के जीवन और उनके रोजमर्रा के संघर्षों पर आधारित क्राइम ड्रामा है। तनेजा ने करियर में पहली बार किसी ट्रांसजेंडर के साथ काम किया है। सीरीज में उनके साथ एला डी वर्मा भी मुख्य भूमिका में हैं। नमिष ने अपने अनुभव को शेयर करते हुए कहा कि यह उनके लिए एक नया और यादगार सफर रहा। उन्होंने बताया, 'ऐसा पहली बार हुआ है, जब मैं इस तरह की कहानी का हिस्सा बना हूं। साथ ही, यह भी पहली बार है, जब मैंने किसी ट्रांसजेंडर अभिनेता के साथ काम किया है। 'नमिष ने आगे कहा, 'सच बताऊं तो यह अनुभव बहुत आरामदायक और सीखने वाला रहा। मैंने एला को पहले इंस्टाग्राम पर इन्फ्लुएंसर के रूप में देखा था। लेकिन, उनके साथ काम करने पर पता चला कि वे कितनी बेहतरीन अभिनेत्री हैं। अपनी भूमिका में वह बहुत गहराई और सच्चाई लाती हैं। 'शो के बारे में बात करते हुए नमिष तनेजा ने कहा कि 'मंगल मुखी' की सबसे अच्छी बात यह है कि यह उन चीजों को सामान्य बनाता है जो हमेशा से सामान्य होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'टैलेंट, भावनाएं और इंसानी जुड़ाव महिला-पुरुष से कहीं आगे होते हैं। इस सीरीज का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत खास रहा। ''मंगल मुखी' हंगामा ओटीटी पर दिखाया जाएगा। इसमें नमिष तनेजा एक अहम भूमिका में हैं, साथ ही एला डी वर्मा और रति पांडे भी नजर आएंगी। यह कहानी पहचान, हिम्मत और इंसाफ के सफर को दिखाती है, जिसकी पृष्ठभूमि में वाराणसी और मुंबई के दो बिल्कुल अलग-अलग माहौल हैं।यह सीरीज 'मंगल मुखी' के इर्द-गिर्द घूमती है। उत्तर प्रदेश की एक ट्रांसजेंडर पुलिस अफसर, जिसका उसके साथी लंबे समय से मजाक उड़ाते रहे हैं और उसके सीनियर उसे नजरअंदाज करते रहे हैं।

अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन पर एटली के साथ अपनी अगली बड़ी फिल्म 'राका' का टाइटल जारी करते हुए चौंकाने वाला और पूरी तरह बदला हुआ लुक पेश किया

भारत के सबसे बड़े सुपरस्टार अल्लू अर्जुन अपनी अगली एक्शन से भरपूर फिल्म के साथ धमाका करने के लिए तैयार हैं, जिसमें वह एटली के साथ काम कर रहे हैं और दीपिका पादुकोण भी उनके साथ नजर आएंगी। यह एक भव्य, अल्लू अर्जुन के नेतृत्व वाली ब्लॉकबस्टर फिल्म बनने जा रही है।अल्लू अर्जुन भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी शानदार पकड़ और दमदार फैन फॉलोइंग से पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। अल्लू अर्जुन हमेशा अपने फैंस को बड़े सरप्राइज देने के लिए जाने जाते हैं,अल्लू अर्जुन का जन्मदिन, जो पहले सिर्फ एक जश्न होता था, अब इंडस्ट्री के लिए एक खास दिन बन गया है, जहां हर साल बड़ी घोषणाएं होती हैं। इस बार यह और भी बड़ा, बोल्ड और पूरी तरह से अप्रत्याशित है। अपने जन्मदिन के मौके पर अल्लू अर्जुन ने एटली के साथ अपनी अगली फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया और साथ ही इसका टाइटल भी बताया। पोस्टर और टाइटल शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, #AA22xA6 अब राका है पोस्टर में अल्लू अर्जुन का एक बेहद चौंकाने वाला और पूरी तरह बदला हुआ लुक देखने को मिलता है। एक भेड़िए जैसी फर वाली हाथ की आकृति, बड़े नुकीले पंजों के साथ उनके चेहरे का एक हिस्सा ढकती हुई नजर आती है, आधे गंजे और रफ हेयरस्टाइल के साथ 'राका' टाइटल का खुलासा, इस लुक को और भी दमदार और रहस्यमयी बनाता है। हाल ही में सिनेमा में 23 शानदार साल पूरे करने वाले अल्लू अर्जुन की यात्रा हमेशा बोल्ड और निडर फैसलों से भरी रही है, जो हर बार सफल साबित हुए हैं। हर फिल्म के साथ खुद को नए रूप में पेश करने और फिर भी दर्शकों से जुड़ने की उनकी क्षमता उन्हें एक सुपरस्टार ही नहीं, बल्कि एक अलग ही स्तर का फेनोमेनन बनाती है। इस उत्साह को और बढ़ाते हुए, यह फिल्म पहली बार अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण को एक साथ लाती है। यह दो बड़े सितारों का साथ आना है, जो अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और पैन-इंडिया अपील के लिए जाने जाते हैं। अगर जन्मदिन सरप्राइज के लिए जाने जाते हैं, तो अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन को एक ऐसे वार्षिक उत्सव में बदल दिया है, जिसका इंतजार दुनियाभर के फैंस हर साल करते हैं।

(साभार एजेंसी)

17 वर्षीय दृष्टिबाधित भारतीय तैराक ने
रचा इतिहास

● 11 घंटे 15 मिनट में तय की 38 किलोमीटर की यात्रा

नागपुर (एजेंसी)। कहते हैं कि दृढ़ संकल्प एक ऐसी शांत शक्ति है जो बाधाओं को मील के पत्थरों में बदल देती है और असंभव को संभव बना देती है. नागपुर की 17 वर्षीय दृष्टिबाधित तैराक ईश्वरी पांडे ने पाक स्ट्रैट को तैरकर सफलतापूर्वक पार करके इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है. वह दुनिया की पहली ऐसी दृष्टिबाधित तैराक बन गई हैं जिन्होंने यह कारनामा कर दिखाया है।

11 घंटे 15 मिनट तक तैरना

जन्म से ही दृष्टिबाधित ईश्वरी ने श्रीलंका के तलाईमन्नार से अपनी तैराकी शुरू की और भारत के धनुषकोडी (तमिलनाडु) तक की 38 किलोमीटर की यात्रा 11 घंटे 15 मिनट में पूरी की. उन्होंने 6 अप्रैल को सुबह करीब 4:00 बजे उरमालाई पॉइंट के पास पानी में प्रवेश किया और 7 अप्रैल की दोपहर 3:15 बजे धनुषकोडी स्थित अरिचलमुनाई पहुंचीं।

कई प्रकार की चुनौतियों का किया सामना – इस अभियान को पूरा करने के लिए उन्हें समुद्र की तेज धाराओं, बदलते ज्वार–भाटा, भारी बारिश और तेज हवाओं का सामना करना पड़ा. उन्होंने जेलीफिश और शार्क जैसे खतरनाक समुद्री जीवों के बीच से भी रास्ता बनाया, जो इस उपलब्धि को और भी अधिक उल्लेखनीय बनाता है।

प्रकृति ने भी उनकी खूब परीक्षा ली

ईश्वरी के कोच संजय बटवे ने अपनी शिष्या द्वारा बनाए गए विश्व रिकॉर्ड पर प्रसन्नता व्यक्त की. उन्होंने कहा कि ईश्वरी का यह कारनामा सचमुच तारीफ के काबिल है. इस मिशन के दौरान उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा. प्रकृति ने भी उनकी खूब परीक्षा ली. बारिश, हवा और तेज लहरों की वजह से उन्हें काफी तकलीफ उठानी पड़ी. इसी वजह से, इस कार्यक्रम की शुरुआत चार घंटे देर से हुई. आखिरकार, श्रीलंकाई सरकार से हरी झंडी मिलने के बाद, ईश्वरी सुबह 4 बजे तलाईमन्नार जेटी से समुद्र में कूद गईं।
कई लोगों का सहयोग और ईश्वरी की महानता
नागपुर के अनुभवी तैराकों की एक टीम ईश्वरी के साथ 'पेस स्विमर' (गति बनाए रखने वाले तैराक) के तौर पर मौजूद थी, जिसमें ईशान पांडे, रविंद्र तरारे, भावी राजगिरे, संदीप वैद्य, शंकर अष्टनकर, विलास फाले और डॉ. नीरव पांड्या शामिल थे. सहायता टीम में चिकित्सा दल के सदस्य के रूप में डॉ. अभय राजगिरे भी शामिल थे. राष्ट्रीय कोच विजयकुमार इस दौरान पर्यवेक्षक के तौर पर मौजूद थे. तमिलनाडु जिला तैराकी संघ के जयकुमार और अंतरराष्ट्रीय ओपन–वॉटर तैराक सुखदेव धुर्वे भी इस अभियान के दौरान उपस्थित थे।
जन्म से ही दोनों आँखों से दृष्टिहीन ईश्वरी ने, ओपन वॉटर तैराकी प्रतियोगिताओं में लगातार अपनी क्षमता साबित की है. ईश्वरी की यह उपलब्धि दृढ़ संकल्प और लगन का एक बेहतरीन उदाहरण है।

राजस्थान ने मुंबई को बुरी तरह हराया
वैभव सूर्यवंशी परीक्षा में पास

गुवाहटी (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियन को 27 रनों से हराकर सीजन में अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की. बारिश से बाधित मैच को 11-11 ओवर का खेला गया. टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने वैभव के 14 गेंद में 39 और जायसवाल के 32 गेंद में 77 रनों की बदौलत 3 विकेट खोकर 150 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया. जवाब में मुंबई की टीम को वैसी शुरुआत नहीं मिली, जैसी राजस्थान को वैभव और जयसवाल ने दी, जिसकी वजह से वो 11 ओवर में 9 विकेट खोकर 123 रन ही बना सके और 27 रनों से मैच हार गए।

राजस्थान की शानदार गेंदबाजी– राजस्थान की शानदार गेंदबाजी के सामने मुंबई का टॉप ऑर्डर पुरी तरह से फ्लॉप रहा। रोहित 5, रिकल्टन 8, सूर्या 6, हार्दिक 9 और तिलक 14 रन ही बना सके। इसके अलावा नमन धीर और इम्पैक्ट प्लेयर रेदरफोर्ड ने 25-25 रनों की कुछ अच्छी पारी खेली. जिससे मुंबई 100 के पार पहुंच सका और हार के अंतर को कुछ कम किया. राजस्थान की तरफ से बर्गर, बिश्नोई और संदीप को 2-2 विकेट मिले, जबकि तुषार और आर्चर को एक-एक विकेट मिला।

वैभव और जायसवाल मुंबई के गेंदबाजों जमकर धुना

इससे पहले वैभव और जयसावाल ने शानदार शुरुआत करके राजस्थान के लिए बड़े स्कोर की नीव रखी. वैभव सूर्यवंशी ने 14 गेंद में 39 रन बनाए, जिसमें 1 चौका और 5 छक्के शामिल थे. खास बात ये है कि उन्होंने दो छक्के जसप्रीत बुमराह को और एक छक्का ट्रेंट बोल्ट को भी लगाया. वहीं जायसवाल 32 गेंद में 77 रन बनाकर नाबाद रहे. उन्होंने अपनी पारी के दौरान 10 चौके और 4 छक्के लगाए. इस पारी की वजह से उनको प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी दिया गया।

राजस्थान ने अपने रिकॉर्ड की बराबरी की

राजस्थान रॉयल्स ने अपनी ही सबसे तेज टीम फिफ्टी रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। टीम ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 2.4 ओवर में 50 रन पूरे किए। इससे पहले भी राजस्थान ने 2023 में 2.4 ओवर में ही कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ फिफ्टी लगाई थी। सबसे तेज टीम फिफ्टी का रिकॉर्ड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नाम है, जिन्होंने 2011 में कोच्चि टस्कर्स केरल के खिलाफ 2.3 ओवर में 50 रन बनाए थे।

19 या उससे कम उम्र में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बैटर

वैभव सूर्यवंशी 19 साल या उससे कम उम्र में बुक्करमें सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 10 पारियों में 35 सिक्स लगाए हैं। इस मामले में उन्होंने ऋषभ पंत (30) और ईशान किशन (30) को पीछे छोड़ा।

हार के बाद हार्दिक पांड्या ने खास अंदाज में की वैभव सूर्यवंशी की तारीफ

गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2026 के 13वें मैच बारिश ने खलल जरूर डाला लेकिन देरी से शुरू हुए मैच ने फैंस को पूरी तरह से रोमांचित किया। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और मुंबई इंडियंस (मुंबई) के बीच 11-11 ओवर का एक तेज-तर्रार मैच देखा जिसमें रॉयल्स ने शानदार जीत दर्ज की। मैच के बाद के दृश्यों में खेल भावना का एक ऐसा पल कैद हुआ जिसने दोनों टीमों की आपसी प्रतिद्वंद्विता को भी पीछे छोड़ दिया। मैच के बाद मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या राजस्थान के धमाकेदार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की पारी से काफी उत्साहित नजर आए और उन्होंने सूर्यवंशी को इसके लिए खास अंदाज में बधाई भी दी।एक वायरल हुए पल में पांड्या ने सिर्फ सूर्यवंशी से हाथ ही नहीं मिलाया बल्कि उन्होंने उस युवा खिलाड़ी की पीठ थपथपाई और एक प्यारी सी मुस्कान के साथ उसकी छाती पर हाथ रखा – यह उस युवा खिलाड़ी द्वारा शाम को खेली गई निडर और तूफानी पारी के लिए एक

'खास तारीफ़' थी। मैच के बाद के पांड्या ने 15 साल के इस खिलाड़ी की जमकर तारीफ की।

पांड्या ने कहा, यह देखना काफी दिलचस्प है कि 16 या 17 साल का एक लड़का जिस तरह से खेला, वह काफी शानदार था। साथ ही मैच की तैयारी के दौरान उसके बारे में इतनी ज़्यादा चर्चा करना (किसी सपने जैसा) था। तो हां, जिस तरह से वह बल्लेबाजी करता है, जिस तरह की निडरता उसमें है, और जिस तरह के शॉट्स वह खेलता है, उसे देखना बहुत बढ़िया लगा। मैं उसके भविष्य के लिए उसे ढेर सारी शुभकामनाएं देता हूं।सूर्यवंशी ने 14 गेंदों में 39 रनों की छोटी लेकिन तूफानी पारी खेली जिसमें दो चौके और 5 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उसका 278.57 का स्ट्राइक रेट मुंबई के गेंदबाजों को हैरान-परेशान कर गया और विपक्षी कप्तान को यह मानना ??पड़ा कि मैच से पहले की उनकी रणनीतिक बैठकों में इस युवा खिलाड़ी पर ही सबसे ज़्यादा चर्चा हुई थी।

एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप
आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड नंबर-7 लिन शी फेंग को हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने चीन के निंगबो में चल रही एशियाई चैंपियनशिप में बड़ा उलटफेर करते हुए शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी लिन शी फेन्ग को सीधे गेम में हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली। यह जीत भारतीय बैडमिंटन के लिए बेहद खास मानी जा रही है।

सीधे गेम में शानदार जीत – विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर मौजूद आयुष शेट्टी ने 51 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 21-16 से जीत हासिल की। उन्होंने पूरे मैच में शानदार नियंत्रण और आत्मविश्वास दिखाया, जिससे टॉप रैंकिंग वाले खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं मिला।

- **पहले गेम में शानदार वापसी** – मैच की शुरुआत में लिन शी फेंग ने 4-1 की बढ़त बना ली थी। लेकिन आयुष ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए स्कोर 7-7 से बराबर कर लिया। इसके बाद उन्होंने लगातार अंक जुटाए और धीरे-धीरे मैच पर पकड़ मजबूत करते हुए पहला गेम अपने नाम कर लिया।
- **दूसरे गेम में पलटा मुकाबला** – दूसरे गेम में भी चीनी खिलाड़ी ने आक्रामक शुरुआत करते हुए 12-9 की बढ़त बना ली थी। लेकिन आयुष ने यहां से जबरदस्त वापसी की और लगातार 6 अंक जीतकर स्कोर 18-13 कर दिया। अंत में उन्होंने संयम बनाए रखते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

खिताब के दावेदार को किया बाहर

लिन शी फेंग इस टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे, लेकिन आयुष ने उन्हें हराकर बड़ा उलटफेर किया। यह जीत उनके करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक मानी जा रही है और इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

भारतीय बैडमिंटन के लिए अहम उपलब्धि

भारत के लिए यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि 1965 के बाद से कोई भी भारतीय खिलाड़ी पुरुष एकल में एशियाई चैंपियनशिप का खिताब नहीं जीत पाया है। आखिरी बार दिनेश खन्ना ने यह खिताब जीता था, जिसके बाद से भारत इस श्रेणी में खिताब का इंतजार कर रहा है।

डबल्स में भी भारत की स्थिति

पुरुष युगल में भारत को झटका लगा है क्योंकि स्टार जोड़ी Satwiksairaj Rankireddy और Chirag Shetty इस बार चोट के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। इस जोड़ी ने 2023 में एशियाई चैंपियनशिप का खिताब जीतकर इतिहास रचा था।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम को नया कोच, क्रिसपिन छेत्री को फिर मिली अहम जिम्मेदारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। आल इंडिया फुटबाल फेडरेशन ने भारतीय महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच के रूप में क्रिसपिन छेत्री की फिर से नियुक्ति की है। यह फैसला आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। छेत्री अब टीम की कमान संभालते हुए नए सिरे से तैयारी शुरू करेंगे।

अमेलिया वाल्वरडे की जगह संभाली जिम्मेदारी – क्रिसपिन छेत्री ने स्पेन की कोच अमेलिया वाल्वरडे की जगह ली है। वाल्वरडे का कार्यकाल इस साल की शुरुआत में समाप्त हो गया था। उनका कार्यकाल एएफसी महिला एशियन कप में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद खत्म हुआ, जहां टीम एक भी मैच नहीं जीत सकी।

एशियन कप में खराब प्रदर्शन बना कारण – भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए एएफसी महिला एशियन कप में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन किया। करीब दो दशकों बाद इस टूर्नामेंट में वापसी करने वाली टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई और एक भी मुकाबला नहीं जीत पाई, जिसके बाद कोचिंग बदलाव का फैसला लिया गया।

फीफा सीरीज 2026 की तैयारी जारी – इस समय भारतीय महिला टीम फीफा सीरीज 2026 के लिए केन्या की राजधानी नैरोबी में मौजूद है। नई कोचिंग टीम के साथ खिलाड़ी आगामी अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर रही हैं।

कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव

क्रिसपिन छेत्री ने इस फेंडली टूर्नामेंट के लिए 22 सदस्यीय टीम का चयन किया है। कोचिंग स्टाफ में सुजाता कर को असिस्टेंट कोच बनाया गया है, जिन्हें 2025 में एआईएफएफ महिला कोच ऑफ द ईयर चुना गया था। वहीं फैसल के बीपू गोलकीपिंग कोच की भूमिका निभाएंगे।

छेत्री पर फिर से भरोसा

छेत्री पहले भी टीम के साथ काम कर चुके हैं और 2026 एशियन कप क्वालिफायर में टीम की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। उनके अनुभव को देखते हुए एआईएफएफ ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है, ताकि टीम बेहतर प्रदर्शन कर सके।

अर्जेंटीना दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान, सलिमा टेटे को मिली कप्तानी

नईदिल्ली (एजेंसी)। हाकी इंडिया ने अर्जेंटीना दौरे के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा 13 से 17 अप्रैल 2026 तक ब्यूनस आयर्स में खेला जाएगा। यह चार मैचों की सीरीज टीम के लिए काफी अहम मानी जा रही है, क्योंकि आगे ऋद्वा हॉकी वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंट होने वाले हैं।

अनुभव और युवा खिलाड़ियों का संतुलन – इस टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का बेहतरीन मिश्रण देखने

को मिला है। मुख्य कोच सजोर्ड मेरीजेन ने टीम चयन में संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया है। यह दौरा सिर्फ तैयारी नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता दिखाने का बड़ा मौका भी है।

सलिमा टेटे को मिली कप्तानी – मिडफील्डर सलिमा टेटे टीम की कप्तानी करेंगी। वह अपनी तेज़ी, समझदारी और आक्रामक खेल के लिए जानी जाती हैं।उनकी अगुवाई में टीम एक मजबूत प्रदर्शन करने की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेगी।

दीपिका की वापसी से बढ़ी ताकत – फॉरवर्ड दीपिका की टीम में वापसी सबसे बड़ी खबरों में से एक है। चोट से उबरने के बाद वह टीम में लौटी हैं और ड्रैग-फ्लिकर के रूप में अहम भूमिका निभाएंगी। कोच ने भी उनकी वापसी को टीम के लिए बड़ा प्लस पॉइंट बताया है।

सविता की वापसी, गोलकीपिंग मजबूत – अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की वापसी से टीम की डिफेंस मजबूत हुई है। पिछले टूर्नामेंट में उनकी गैरमौजूदगी में बिचु देवी ने अच्छा प्रदर्शन किया था, जिससे टीम में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बनी हुई है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड में बड़ा बदलाव | तमीम इकबाल को मिली बड़ी जिम्मेदारी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड में बड़ा प्रशासनिक बदलाव देखने को मिला है। पूर्व दिग्गज क्रिकेटर तमीम इकबाल को एड-हॉक कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल (एनएससी) ने अमिनुल इस्लाम के नेतृत्व वाले बोर्ड को भंग करने के बाद यह फैसला लिया।

- **चुनाव में गड़बड़ी के आरोप के बाद कार्रवाई–** यह फैसला पिछले साल हुए बीसीबी चुनाव में अनियमितताओं के आरोपों के बाद लिया गया। खेल मंत्रालय द्वारा गठित जांच समिति ने चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी, कदाचार और सत्ता के दुरुपयोग के संकेत पाए। रिपोर्ट सामने आने के बाद एनएससी ने तत्काल प्रभाव से बोर्ड को भंग कर नई अंतरिम कमेटी का गठन कर दिया।
- **जांच रिपोर्ट आईसीसी को भी सौंपी गई–** खेल परिषद के अधिकारियों ने मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि जांच रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भी भेज दी गई है। इसके साथ ही 11 सदस्यीय नई अंतरिम समिति की जानकारी भी साझा की गई है। स्पोर्ट्स डायरेक्टर अमिनुल एहसान ने पुष्टि की कि चुनाव प्रक्रिया में कई खामियां पाई गई, जिसके चलते यह बड़ा फैसला लेना पड़ा।
- **चुनाव से पहले ही उठे थे सवाल–** चुनाव से पहले ही तमीम इकबाल और ढाका के कई क्लब प्रतिनिधियों ने प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि चुनाव में बाहरी हस्तक्षेप हो रहा है। तमीम ने यह भी कहा था कि नामांकन की तारीख दो बार बढ़ाई गई, जिससे पारदर्शिता पर सवाल खड़े हुए। इसी वजह से उन्होंने 1 अक्टूबर को चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया था।
- **नई कमेटी में बड़े नाम शामिल–** 37 वर्षीय तमीम इकबाल इस पद पर पहुंचने वाले सबसे युवा व्यक्ति बन गए हैं। उनके साथ पूर्व कप्तान मिनहाजुल आबेदीन और पूर्व क्रिकेटर-टिप्पणीकार अतहर अली खान भी इस अंतरिम कमेटी का हिस्सा हैं। इसके अलावा प्रशासनिक और कॉर्पोरेट क्षेत्र से जुड़े कई अन्य सदस्यों को भी इस टीम में शामिल किया गया है।
- **बीसीबी में लगातार बढ़ रहा था संकट–** बीते कुछ महीनों से बीसीबी में अस्थिरता का माहौल बना हुआ था। अमिनुल इस्लाम ने दबाव के बावजूद पद छोड़ने से इनकार किया था।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेविड वॉर्नर शराब पीकर गाड़ी चलाने पर गिरफ्तार

मिली जमानत, 7 मई को अगली सुनवाई

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर को सिडनी में गिरफ्तार कर लिया गया. उनपर रविवार (5 अप्रैल) को सिडनी में शराब

पीकर गाड़ी चलाने के आरोप लगा था. वॉर्नर इस समय पाकिस्तान सुपर लीग के 11वें सीजन में कराची किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं. वो कुछ दिनों का ब्रेक लेकर अपने देश लौटे थे। स्थानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने पुष्टि की है कि 5 अप्रैल को रात लगभग 11:20 बजे वॉर्नर को रैंडम ब्रेथ टेस्ट (सांस की जांच) के लिए रोका गया था. रिपोर्ट के मुताबिक, वॉर्नर का टेस्ट पॉजिटिव पाया गया, जिसके बाद उन्हें आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन ले जाया गया. जहां पर भी उनका टेस्ट किया गया।

अमेरिका और ईरान ने दो सप्ताह के संघर्षविराम पर सहमति जताई

» वाशिंगटन/तेहरान, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद की निर्धारित की हुई समय-सीमा खत्म होने से करीब 90 मिनट पहले घोषणा की कि अमेरिका ने पाकिस्तान के प्रस्ताव पर ईरान के साथ दो सप्ताह के संघर्षविराम पर सहमति जताई है। ट्रंप ने मंगलवार शाम (अमेरिकी समयानुसार) ट्रुथ सोशल पर यह घोषणा की। दूसरी ओर डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ईरानी सभ्यता को खत्म करने की ट्रंप की धमकी को लेकर उन्हें पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने बातचीत कर अनुरोध किया कि मैं आज रात ईरान के खिलाफ होने वाली विनाशकारी कार्रवाई को रोक दूं लेकिन इस शर्त पर कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह, तुरंत और सुरक्षित तरीके से खोलने पर सहमत हो।

ट्रंप ने कहा, मैं दो सप्ताह की अवधि के लिए ईरान पर बमबारी और हमले रोकने पर सहमत हूं। उन्होंने कहा कि यह दोनों पक्षों का संघर्षविराम होगा। तेहरान में, ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने कहा कि उसने दो सप्ताह के संघर्षविराम को स्वीकार कर लिया है और वह शुक्रवार से इस्लामाबाद में अमेरिका से बातचीत करेगा। ट्रंप ने कहा कि दो सप्ताह के संघर्षविराम का उपयोग एक बड़े समझौते पर बातचीत के लिए किया जाएगा, जिससे युद्ध को समाप्त किया जा सके। ट्रंप ने कहा, ऐसा करने का कारण यह है कि हमने सभी सैन्य लक्ष्यों को पहले ही हासिल कर लिया है और ईरान के साथ दीर्घकालिक शांति तथा पश्चिम एशिया में शांति को लेकर एक ठोस समझौते के काफी करीब हैं। उन्होंने कहा, हमें ईरान से 10 बिंदुओं का प्रस्ताव मिला है और हम मानते हैं कि यह बातचीत के लिए एक व्यवहारिक आधार है। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पहले के लगभग सभी विवादित मुद्दों पर सहमति बन चुकी है, लेकिन दो सप्ताह का समय समझौते को अंतिम रूप देने में मददगार साबित होगा। ट्रंप ने कहा, अमेरिका की ओर से, राष्ट्रपति के रूप में और पश्चिम एशिया के देशों का प्रतिनिधित्व करते हुए, यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि यह लंबे समय से चला आ रहा मुद्दा समाधान के करीब है। ट्रंप ने पोस्ट में ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची का बयान भी साझा किया, जिसमें संघर्षविराम की पुष्टि की गई थी। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा, अगर ईरान के खिलाफ हमले रोके जाते हैं, तो हमारी शक्तिशाली सशस्त्र सेनाएं भी अपने रक्षात्मक अभियान रोक देंगी। उन्होंने कहा कि अगले दो हफ्तों तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरना ईरानी सैन्य समन्वय के तहत संभव होगा। ईरान द्वारा फारसी में जारी 10 सूत्री संघर्षविराम योजना में उसके परमाणु कार्यक्रम के लिए संवर्धन की स्वीकृति का जिक्र किया गया है, लेकिन यह वाक्यांश अंग्रेजी संस्करण में नहीं था, जो ईरानी राजनयिकों ने पत्रकारों के साथ साझा किया। एक क्षेत्रीय अधिकारी के अनुसार, इस योजना के तहत ईरान और ओमान दोनों को जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क लेने की अनुमति होगी। अधिकारी ने कहा कि ईरान इस धन का उपयोग पुनर्निर्माण के लिए करेगा। संघर्षविराम के बदले ईरान की मांगों में क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की वापसी, प्रतिबंधों को हटाना और उसकी परिसंपत्तियों पर लगी रोक हटाना है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के अनुसार, इजराइल भी संघर्षविराम के लिए सहमत हो गया है। इस बीच, इजराइल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में बुधवार तड़के मिसाइल अलर्ट जारी हुए। अधिकारियों ने बताया कि यूएई की राजधानी अबू धाबी में एक गैस प्रोसेसिंग संयंत्र में ईरान के हमले के बाद आग लग गई। इजराइल में किस जगह को निशाना बनाया गया, यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका, जबकि युद्ध के दौरान मिसाइल और ड्रोन हमलों का सबसे ज्यादा असर वहीं देखा गया था। बुधवार सुबह सऊदी अरब, बहरीन और कुवैत में भी मिसाइल अलर्ट जारी हुए, जो कूटनीतिक प्रयासों के बीच बनी अव्यवस्था की स्थिति को दर्शाते हैं।

इस्लामाबाद में वार्ता की संभावना

युद्धविराम समझौते के बाद ईरान में प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका और इजराइल के प्रति आक्रोश जताया

तेहरान। युद्धविराम की घोषणा के बाद बुधवार की सुबह ईरान की राजधानी की सड़कों पर सरकार समर्थक प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका मुर्दाबाद, इजराइल मुर्दाबाद, समझौता करने वाले मुर्दाबादउ के नारे लगाए। आयोजकों ने प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की लेकिन वे लगातार नारे लगाते रहे। उन्होंने सड़क पर अमेरिकी और इजराइल के झंडे भी जलाए। यह ईरान में कट्टरपंथियों के निरंतर गुस्से को दर्शाता है। कई लोगों का मानना है कि कट्टरपंथी अमेरिका के खिलाफ विनाशकारी युद्ध की तैयारी में जुटे थे।

पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान को इस्लामाबाद में वार्ता के लिए आमंत्रित किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने बुधवार को अमेरिका और ईरान को इस्लामाबाद में वार्ता के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अमेरिका और ईरान ने तत्काल संघर्षविराम पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है कि ईरान और अमेरिका ने अपने सहयोगियों के साथ लेबनान समेत हर जगह तत्काल प्रभाव से संघर्षविराम पर सहमति जताई है। शरीफ ने बताया कि पाकिस्तान ने दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों को 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में आमने-सामने बातचीत के लिए आमंत्रित किया है, ताकि सभी विवादों का समाधान निकाला जा सके। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि प्रस्तावित इस्लामाबाद वार्ता क्षेत्र में स्थाई शांति और स्थिरता स्थापित करने में मददगार साबित होगी। यह घटनाक्रम 28 फरवरी से जारी संघर्ष को खत्म को कम करने के पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रयासों के बाद आया है।

युद्ध विराम के बाद की घटनायें

अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ सभी आक्रामक अभियान रोके:अधिकारी

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ सभी आक्रामक अभियान रोक दिए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया कि रक्षात्मक कदम और अभियान अब भी जारी रहेंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ दो सप्ताह के संघर्षविराम की घोषणा की है, जिसके तहत हमले रोकने का फैसला किया गया है।

युद्धविराम पर सहमति बनने के बाद बहरीन ने मिसाइल अलर्ट अलार्म की आवाज सुनी गई

दुबई। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनने की घोषणा के कुछ घंटे बाद बुधवार सुबह बहरीन में मिसाइल अलर्ट के सायरन की आवाज सुनी गई। बहरीन के आंतरिक मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की। युद्धविराम समझौते से यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि लड़ाई कब रुकेगी। घोषणा के बाद ईरान ने खाड़ी अरब देशों और इजराइल पर मिसाइलें दागी हैं।

ईरान के मिसाइल हमले का जवाब दिया जा रहा है: यूएई

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने बुधवार को कहा कि उसकी हवाई रक्षा प्रणाली ईरान की ओर से किए जा रहे मिसाइल हमले का जवाब दे रही है। ईरान, अमेरिका और इजराइल के दो सप्ताह के लिए युद्धविराम समझौते पर पहुंचने के कुछ घंटों बाद संयुक्त अरब अमीरात ने यह घोषणा की। यूएई ने यह स्पष्ट नहीं किया कि हमला कहां हो रहा है।

युद्ध विराम की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद ईरान की तेल रिफाइनरी पर हुआ हमला

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध विराम की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद बुधवार को ईरान के लावन द्वीप पर स्थित एक तेल रिफाइनरी पर हमला हुआ। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने एक खबर में यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं और हमले में किसी को चोट नहीं आई है। हालांकि, खबर में यह नहीं बताया गया कि हमला किसने किया है।

ट्रंप से मुलाकात के बाद अमेरिकी राजनयिक गोर

भारत-अमेरिका संबंधों के मजबूत भविष्य पर चर्चा

» वाशिंगटन, भाषा।

नई दिल्ली में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा है कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ भारत-अमेरिका संबंधों के मजबूत भविष्य के निर्माण के तरीकों पर चर्चा की। गोर ने मंगलवार को ट्रंप के साथ रात्रिभोज पर मुलाकात की। उनकी यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब अमेरिका और ईरान लगभग छह सप्ताह तक चले सैन्य संघर्ष के बाद दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत हुए हैं। गोर ने वैश्विक स्थिरता लाने के प्रति ट्रंप की अटूट प्रतिबद्धता का भी उल्लेख किया। उन्होंने बुधवार को एक्स पर पोस्ट में कहा, अभी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ शानदार रात्रिभोज किया।

हमने वैश्विक स्थिरता लाने के उनके अटूट संकल्प, उनके कार्यकाल की ऐतिहासिक उपलब्धियों, भारत-अमेरिका संबंधों के मजबूत भविष्य और कई अन्य विषयों पर चर्चा की। यह एक बेहद यादगार शाम रही। यह रात्रिभोज ऐसे समय हुआ है जब विदेश सचिव विक्रम मिसरी बुधवार को वॉशिंगटन डीसी पहुंचे, जहां वह द्विपक्षीय व्यापार और रक्षा संबंधों की समीक्षा करेंगे और पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट पर चर्चा करेंगे। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश अनिश्चितता और तनाव के दौर के बाद संबंधों को स्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारत पर शुल्क लगाए जाने और राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पिछले साल मई में भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव को कम कराने में अपनी भूमिका को लेकर विवादास्पद बयान देने के बाद द्विपक्षीय संबंधों में गिरावट आई थी। गोर ने इससे पहले अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक से भी मुलाकात की और दोनों देशों के लिए व्यापारिक रोडमैप तथा 1.4 अरब की आबादी वाले भारतीय बाजार को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोलने पर चर्चा की। गोर ने कहा कि उन्होंने लुटनिक के साथ एक नए समझौता ज्ञापन पर भी चर्चा की, जिसका उद्देश्य भारत की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्षमता को अमेरिकी एआई परिवेशी तंत्र से जोड़ना है। उनके अनुसार, नई दिल्ली की यहां होने वाले आगामी सलेक्टयूएसए सम्मेलन में मजबूत भागीदारी पर भी बातचीत हुई।

न्यूज ब्रीफ

चीन ने ईरान को अमेरिका के साथ युद्धविराम का रास्ता खोजने के लिए प्रोत्साहित किया: सूत्र

» बीजिंग, भाषा।

ईरान के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार चीन ने ईरान के नेताओं से बातचीत करके उन्हें अमेरिका से युद्धविराम का रास्ता तलाशने के लिए राजी करने की कोशिश की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। दो अधिकारियों ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर कहा कि बातचीत के दौरान चीनी अधिकारी ईरानी अधिकारियों के संपर्क में थे। एक अधिकारी ने कहा कि चीन अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है और वह मुख्य रूप से पाकिस्तान, तुर्किए और मिस्र समेत मध्यस्थों के साथ काम कर रहा है।

चीनी विदेश मंत्रालय ने टिप्पणी के अनुरोध पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इससे पहले मंगलवार को चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, सभी पक्षों को ईमानदारी दिखानी चाहिए और इस युद्ध को जल्द से जल्द खत्म करना चाहिए जो शुरू ही नहीं होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि चीन इस संघर्ष के विश्व अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर अत्यंत चिंतित है।

हिज्बुल्ला के खिलाफ लड़ाई, जमीनी अभियान जारी : इजराइल की सेना

» यरुशलम, भाषा।

इजराइल की सेना ने बुधवार को कहा कि लेबनानी मिलीशिया हिज्बुल्ला के खिलाफ युद्ध में उसकी लड़ाई और जमीनी अभियान जारी है। सेना ने एक बयान जारी कर स्वीकार किया कि युद्ध जारी है, जबकि मध्यस्थ पाकिस्तान ने कहा था कि ईरान युद्ध में दो सप्ताह के युद्धविराम के तहत इजराइल अपने हमलों को रोक देगा। इजराइल ने युद्धविराम से पहले तक ईरान पर किए गए हमलों को अलग से स्वीकार किया।

इससे पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि इजराइल ईरान के साथ हुए युद्धविराम का सम्मान करता है और हिज्बुल्ला से उसकी लड़ाई जारी रहेगी। हिज्बुल्ला ने अब तक इस संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरानी सभ्यता को नष्ट करने की अपनी धमकियों से पीछे हटने के बाद ईरान, अमेरिका और इजराइल बुधवार को दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत हो गए।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में खुफिया सूचना आधारित अभियान में छह आतंकवादी ढेर

» कराची, भाषा।

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए एक अभियान में सुरक्षा बलों ने छह आतंकवादियों को मार गिराया। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। आतंकवाद रोधी विभाग के अधिकारी मेहताब रहमानी ने बताया कि मंगलवार को एक प्रतिबंधित संगठन से जुड़े आतंकवादी, मस्तुंग कस्बे के किरदगाब क्षेत्र में मारे गए।

रहमानी के अनुसार, इनके इलाके में छिपे होने और हमले की तैयारी करने संबंधित खुफिया रिपोर्ट मिलने के बाद यह अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके को घेरकर अभियान शुरू किया जिसमें छह आतंकवादी मारे गए, हालांकि कुछ पहाड़ों की ओर भागने में सफल रहे। रहमानी ने कहा कि उनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

उत्तर कोरिया ने समुद्र की ओर एक और मिसाइल दागी

» सियोल, भाषा।

उत्तर कोरिया ने दो दिनों में दूसरी बार बुधवार को समुद्र की ओर छोटी दूरी की कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। उत्तर कोरिया के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सियोल के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों की उम्मीदों के विपरीत शर्मनाक टिप्पणियां जारी करने के कुछ घंटों बाद यह घटना हुई। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि मिसाइलें उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय क्षेत्र वॉनसन से दागी गईं जो लगभग 240 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए उत्तर कोरिया के पूर्वी जलक्षेत्र की ओर गईं।

उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया, अमेरिका के साथ अपने मजबूत सैन्य गठबंधन के तहत उत्तर कोरिया द्वारा किसी भी प्रकार की उकसावे वाली कार्रवाई का जवाब देने के लिए तत्पर है। दक्षिण कोरिया ने बाद में कहा कि उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी जलक्षेत्र की ओर एक और बैलिस्टिक मिसाइल दागी लेकिन उसने इसके बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उसे मंगलवार को उत्तर कोरिया की राजधानी के आसपास एक अज्ञात मिसाइल के प्रक्षेपण का पता चला है। उसने कहा कि दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी खुफिया एजेंसियां मंगलवार के प्रक्षेपण के विवरण का विश्लेषण कर रही हैं। दक्षिण कोरिया के मीडिया ने बताया कि पहले दागी गई मिसाइल संभवतः एक बैलिस्टिक मिसाइल थी। प्रक्षेपण के प्रारंभिक चरण में दक्षिण कोरियाई सैन्य रडारों पर असामान्य गतिविधि दिखने के बाद यह रडार से गायब हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, इससे संकेत मिलता है कि प्रक्षेपण विफल रहा। उत्तर कोरिया यह स्पष्ट कर चुका है कि उसका दक्षिण कोरिया के साथ संबंध सुधारने का कोई इरादा नहीं है, जिसके बाद लगातार दो मिसाइल प्रक्षेपण हुए। वहीं, दक्षिण कोरिया की उदारवादी सरकार लंबे समय से ठप पड़े संवाद को फिर से शुरू करने की आशा को दृढ़ता से व्यक्त कर चुकी है। मंगलवार रात को उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय के प्रथम उप मंत्री जांग कुम चोल ने कहा कि दक्षिण कोरिया हमेशा उनके देश का सबसे कट्टर शत्रु देश बना रहेगा।

यह क्षण पश्चिम एशिया के लिए नए स्वर्ण युग की शुरुआत का संकेत हो सकता है: ट्रंप

वाशिंगटन, भाषा।। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में युद्धविराम समझौते को विश्व शांति के लिए एक बड़ा दिन घोषित किया और कहा कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों के यातायात की भीड़ को कम करने में मदद करेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, बहुत सारे सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे उन्होंने कहा, इससे खूब आय होगी। ईरान पुनर्निर्माण प्रक्रिया शुरू कर सकता है। ट्रंप की ट्रुथ सोशल वेबसाइट पर दिए गए संदेश से वाशिंगटन की इस चिंता का संकेत मिलता है कि ईरान फारस की खाड़ी के संकरे मुहाने पर अपना नियंत्रण बनाए हुए है, जिससे शांति काल में कुल तेल और प्राकृतिक गैस का 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है।

ब्रिटेन: भारतीय मूल की स्वास्थ्यकर्मी ने आंटी कहे जाने के विवाद में उत्पीड़न का मुकदमा जीता

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन की नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) में कार्यरत भारतीय मूल की एक स्वास्थ्य सहायिका ने घाना मूल के एक नर्स सहकर्मी द्वारा उन्हें बार-बार आंटी कहे जाने के खिलाफ उत्पीड़न का मामला जीत लिया है। वाटफोर्ड एम्प्लॉयमेंट ट्रिब्यूनल न्यायाधीश जॉर्ज एलियट ने माना कि इल्जा एस्टेव्स को उम्र और लिंग के आधार पर परेशान किया गया था। उन्होंने वेस्ट लंदन एनएचएस ट्रस्ट को निर्देश दिया कि वह शिकायतकर्ता की भावनाएं आहत किए जाने के लिए कुल 1,425.15 पाउंड का हर्जाना दे। पिछले साल इस मामले की सुनवाई पूरी करने वाले और पिछले माह फैसला सुनाने वाले तीन-सदस्यीय पीठ ने कहा कि घाना की संस्कृति में आंटी शब्द बुजुर्गों के लिए सम्मान का प्रतीक है।

हालांकि, वार्ड में टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी स्टाफ नर्स चार्ल्स ओप्पोंग की थी और उन्हें ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए थी। फैसले में कहा गया, हमें लगता है कि चार्ल्स ओप्पोंग का उद्देश्य संभवतः हास्य का एक आपत्तिजनक प्रयास था। इसमें कहा गया, हमने पाया कि शिकायतकर्ता ने इसे आपत्तिजनक माहौल बनाने के रूप में महसूस किया। हमने पाया कि कार्यालय और गलियारों में तथा कार्यभार सौंपते समय की गई टिप्पणियां ऐसी थीं कि उनसे आपत्तिजनक माहौल पैदा हुआ। हमने पाया कि टिप्पणियों का ऐसा प्रभाव होना उचित था। इसलिए, इस आधार पर शिकायतकर्ता का उत्पीड़न का दावा सही साबित होता है। भारतीय मूल की 61-वर्षीय स्वास्थ्यकर्मी एस्टेव्स ने न्यायाधिकरण के समक्ष गवाही दी कि ओप्पोंग ने कई मौकों पर उन्हें आंटी कहकर पुकारा, जबकि उन्होंने बार-बार अपना पहला नाम लेकर संबोधित करने का अनुरोध किया था। उसने यह भी बताया कि जॉर्ज नामक उसके वरिष्ठ सहकर्मी के साथ उसके संबंधों को लेकर दो बार अनुचित टिप्पणी की गई। कहा जा रहा है कि ये घटनाएं जून और सितंबर 2023 के बीच संक्षिप्त अवधि में हुई थीं। इस मामले में शिकायतकर्ता ने उनकी पहचान बताए बगैर आदेश जारी करने का अनुरोध किया था, जिसे इस आधार पर खारिज कर दिया गया कि न्याय की मुक्त प्रशासनिक प्रक्रिया में सार्वजनिक हित किसी भी दावेदार के संवैधानिक अधिकारों से अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। अदालत ने, हालांकि शिकायतकर्ता के उत्पीड़न के अन्य दावों को भी खारिज कर दिया, जिनमें जाति, भेदभाव, प्रतिशोध और वेतन की अनधिकृत कटौती शामिल थे।

भारत ने ईरान में मौजूद अपने नागरिकों से शीघ्र बाहर निकलने का आग्रह किया

दुबई, भाषा। भारत ने बुधवार को ईरान में अपने नागरिकों को हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर तेहरान स्थित अपने दूतावास द्वारा सुझाए गए मार्गों का उपयोग करते हुए देश से शीघ्र बाहर निकलने की सलाह दी। एक परामर्श में, तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने यह भी दोहराया कि बिना दूतावास से पूर्व परामर्श और समन्वय किए किसी भी अंतरराष्ट्रीय भू सीमा के पास जाने या उस ओर जाने का कोई प्रयास नहीं किया जाना चाहिए। भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सात अप्रैल 2026 की सलाह के क्रम में और हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर, ईरान में अब भी मौजूद भारतीय नागरिकों को दूतावास के समन्वय से और दूतावास द्वारा सुझाए गए मार्गों का उपयोग करते हुए शीघ्रता से ईरान छोड़ने की दृढ़तापूर्वक सलाह दी जाती है। दूतावास ने जरूरतमंद लोगों के लिए आपातकालीन संपर्क नंबर (989128109115,989128109102, 989128109109 और 989932179359) और ईमेल भी उपलब्ध कराए। यह सलाह अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के सशर्त युद्धविराम पर सहमति बनने के कुछ घंटों बाद जारी की गई, जिसमें जहाजों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना भी शामिल था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 28 फरवरी को जब संघर्ष शुरू हुआ, तब छात्रों सहित लगभग 9,000 भारतीय ईरान में थे। अब तक लगभग 1,800 भारतीय भारत लौट चुके हैं। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को संयुक्त रूप से ईरान पर हमला किया, जिसमें ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और कई शीर्ष कमांडर मारे गए। इस्लामिक गणराज्य की जवाबी कार्रवाई ने युद्ध को पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैला दिया।

अमेरिका-भारत व्यापार व एआई सहयोग पर तेज़ी

भारत में अमेरिका के राजदूत गोर ने अमेरिकी वाणिज्य मंत्री लुटनिक से मुलाकात की

» वाशिंगटन, भाषा।

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने यहां अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक से मुलाकात की और दोनों देशों के लिए वाणिज्यिक रूपरेखा एवं अमेरिकी उत्पादों के लिए 1.4 अरब लोगों की आबादी वाले भारतीय बाजार को खोलने पर चर्चा की। गोर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने लुटनिक के साथ एक नए समझौता ज्ञापन पर चर्चा की जिसका उद्देश्य भारत के एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) पैमाने को अमेरिकी एआई परिवेशी तंत्र से जोड़ना है और साथ ही यहां होने वाले आगामी सेलेक्ट यूएसए शिखर सम्मेलन में भारत की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करना है।

गोर ने मंगलवार को एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका-भारत वाणिज्यिक रूपरेखा पर मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के साथ सार्थक बैठक हुई। हमने भारत की एआई क्षमता को अमेरिकी एआई परिवेशी तंत्र से जोड़ने वाले एक नए समझौता ज्ञापन, आगामी सेलेक्ट यूएसए शिखर सम्मेलन में भारत की मजबूत भागीदारी एवं प्रतिस्पर्धा बढ़ाने तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने के लिए अमेरिका में भारतीय फार्मा कंपनियों के बढ़ते निवेश पर चर्चा की। एक अलग पोस्ट में अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि लुटनिक और गोर 1.4 अरब लोगों वाले भारतीय बाजार को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोलने पर काम कर रहे हैं। अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज, मंत्री लुटनिक ने राष्ट्रपति ट्रंप के ऐतिहासिक अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को आगे बढ़ाते हुए भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की। पोस्ट में कहा गया है, हम मिलकर 1.4 अरब लोगों वाले भारतीय बाजार को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोलने और 500 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के अमेरिकी निर्यात को सुरक्षित करने के लिए काम कर रहे हैं। गोर ने कहा कि उनकी मुलाकात यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बेन ब्लैक और डिप्टी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच से भी हुई। गोर ने कहा, मैंने डीएफसी के सीईओ बेन ब्लैक से मुलाकात की तथा बुनियादी ढांचे, विकास और निजी क्षेत्र के अवसरों को बढ़ावा देने वाली अमेरिका-भारत निवेश साझेदारी के विस्तार पर अच्छी चर्चा की। बेन शानदार काम कर रहे हैं। भारत में अमेरिका के राजदूत ने कहा, अपने मित्र डीएजी टॉड ब्लैंच से मिलकर और उन्हें दक्षिण एवं पश्चिम एशिया में अपने काम की जानकारी देकर हमेशा अच्छा लगता है। राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में हम जो कुछ भी करते हैं, उसका उद्देश्य सर्वप्रथम अमेरिकी जनता की सेवा करना और यह सुनिश्चित करना है कि हमारी विदेश नीतियां अमेरिका को अधिक सुरक्षित और मजबूत बनाएं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com